NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 262 लखनऊ, रविवार 17 मई 2026 मूल्य: 02 रूपये पृष्ठ- 08

नीदरलैंड दौरान पलटे सारे समीकरण, व्यापार, तकनीक और हरित ऊर्जा सहयोग को मिली नई ताकत

एजेंसी।
दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रवास के दौरान नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब येटेन से द्विपक्षीय वार्ता की तथा राजा विलेम अलेक्जेंडर और महारानी मैक्सिमा से भी मुलाकात की। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बहुआयामी संबंधों को नई ऊंचाई देने का अवसर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच देशों के यूरोपीय दौरे के दूसरे चरण में नीदरलैंड पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। एम्स्टर्डम हवाई अड्डे पर नीदरलैंड के वरिष्ठ अधिकारियों, विदेश मंत्री टॉम बेरेंडसन, भारतीय राजदूत कुमार तुहिन तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उनका अभिनंदन किया। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते ने व्यापार और निवेश संबंधों को नई गति दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह दौरा सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, जल प्रबंधन, कृषि, स्वास्थ्य और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करेगा।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रवास के दौरान नीदरलैंड के प्रधानमंत्री रॉब येटेन से द्विपक्षीय वार्ता की तथा राजा विलेम अलेक्जेंडर और महारानी मैक्सिमा से भी मुलाकात की। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार यह यात्रा भारत और नीदरलैंड के बहुआयामी संबंधों को नई ऊंचाई देने का अवसर है। दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश में लगातार वृद्धि हुई है। वर्ष 2024–25 में द्विपक्षीय व्यापार लगभग 27.8 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया, जबकि नीदरलैंड भारत में चौथा सबसे बड़ा विदेशी निवेशक बन चुका है।हेग में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और नीदरलैंड के सांस्कृतिक तथा मानवीय संबंधों की विशेष चर्चा की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों में खेल संस्कृति बेहद मजबूत और उत्साहपूर्ण है। उन्होंने नीदरलैंड क्रिकेट टीम के प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि भारतीय हॉकी की सफलता में डच प्रशिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि आगामी ओलंपिक खेलों में भारत और नीदरलैंड की साझेदारी और मजबूत होगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत भविष्य में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करना चाहता है और विश्व स्तरीय विनिर्माण केंद्र बनने का सपना लेकर आगे बढ़ रहा है।अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने भारत और नीदरलैंड की मित्रता को प्रतीकात्मक रूप से भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार नीदरलैंड ट्यूलिप फूलों के लिए प्रसिद्ध है, उसी प्रकार भारत कमल के लिए जाना जाता है। दोनों देश वैश्विक मंच पर मिलकर महत्वपूर्ण परियोजनाओं और विकास के नए आयाम स्थापित कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने भारतीय लोकतंत्र की मजबूती का उल्लेख करते हुए कहा कि हाल के चुनावों में तमिलनाडु, बंगाल और असम जैसे राज्यों में रिकॉर्ड मतदान यह दर्शाता है कि जनता विकास की राजनीति पर भरोसा जता रही है। उन्होंने महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की भी प्रशंसा की। इस दौरान उन्होंने हल्के अंदाज में विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए झालमुडी का उल्लेख भी किया, जिससे सभा में मौजूद लोगों के बीच उत्साह का माहौल बन गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय संस्कृति की जीवंतता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि समय के साथ कई सभ्यताएं समाप्त हो गईं, लेकिन भारत की सांस्कृतिक विविधता और परंपराएं आज भी जीवित हैं। यही शक्ति दुनिया भर में बसे भारतीय समुदाय को अपनी जड़ों से जोड़े रखती है।नीदरलैंड प्रवास का सबसे विशेष पहलू वहां रहने वाले सूरीनामी हिंदुस्तानी समुदाय की उपस्थिति रही। लगभग डेढ़ शताब्दी पहले बिहार, उत्तर प्रदेश और बंगाल से गए भारतीय मजदूरों की संतानों ने आज यूरोप में भारतीय संस्कृति की एक अनोखी पहचान बनाई है। हम आपको बता दें कि वर्ष 1873 में 'लल्ला रूख' नामक जहाज से भारतीय मजदूर सूरीनाम पहुंचे थे। बाद में सूरीनाम की स्वतंत्रता के पश्चात हजारों लोग नीदरलैंड आ बसे। आज लगभग दो लाख सूरीनामी हिंदुस्तानी नीदरलैंड में रहते हैं और यह महाद्वीपीय यूरोप का सबसे बड़ा भारतीय मूल का समुदाय माना जाता है।इस समुदाय ने अपनी भाषा, संगीत और परंपराओं को जीवित रखा है। सरनामी भाषा, जिसमें भोजपुरी, अवधी और डच प्रभाव का अनूठा मिश्रण है, आज भी वहां के बाजारों, मंदिरों और सामाजिक आयोजनों में सुनाई देती है। बैठकी गाना जैसी भोजपुरी लोक परंपराएं वहां नए रूप में विकसित हुई हैं। कलाकार राज मोहन जैसे नाम भारतीय और डच सांस्कृतिक संबंधों को नई पहचान दे रहे हैं। साहित्य और कला के क्षेत्र में भी यह समुदाय महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

2 दिन का वर्क फ्राम होम .... यूपी के व्यावसायिक संस्थानों में नियम लागू करने का निर्देश जारी

संवाददाता।
लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बड़े व्यावसायिक संस्थानों में सप्ताह में कम से कम दो दिन वर्क फ्राम होम (घर से ही ऑनलाइन काम करना) की व्यवस्था लागू कराने की तैयारी की जा रही है। श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने इसके लिए एडवाइजरी (निर्देश) जारी करने के निर्देश दिए हैं। मंत्री ने कहा कि जहां बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां यह व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कार्यालय समय को अलग–अलग शिफ्ट में विभाजित करने, श्रमिकों–कर्मचारियों को वाहन पूलिंग करने या सार्वजनिक परिवहन के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी औद्योगिक इकाइयों, स्टार्टअप्स और अन्य संस्थानों के साथ बैठक कर उन्हें भी वर्क फ्राम होम के लिए

प्रोत्साहित करें। श्रम मंत्री ने शनिवार को विभागीय अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक पश्चिम एशिया में होर्मुज जलडमरु मध्य से व्यापार आवागमन बाधित होने से खाड़ी देशों से कर्मचारियों के बेरोजगार होने की आशंका पर चर्चा की। निर्देश दिए कि पश्चिम एशिया संकट के संभावित दुष्प्रभावों को देखते हुए हेल्प डेस्क स्थापित की जाए। गैस, ऊर्जा आधारित इकाइयों में ऊर्जा की कमी और लागत वृद्धि के कारण छंटनी, रोजगार समाप्त होने की आशंका को लेकर तत्परता से काम किया जाए। ई–श्रम पोर्टल के डाटा का उपयोग कर प्रभावित श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा से लाभांवित किया जाए। अफवाह को लेकर सतर्कता बरतने को कहा विभागीय अधिकारी अफवाह को लेकर सतर्क रहें और उसका निराकरण कराएं। इसके लिए क्षेत्रीय अधिकारियों को अलर्ट पर रखा जाए, जिससे अविलंब सूचना संग्रह कर संबंधित को उपलब्ध कराई जा सके। श्रमायुक्त कार्यालय द्वारा विभिन्न श्रेणियों की मजदूरी की अद्यतन दरों की श्रमिकों को जानकारी दी जाए। विभाग निर्माण श्रमिकों के हितलाभ संबंधी आवेदनों की मासिक समीक्षा करें।

ट्रंप के कहने पर बढ़ रही तेल की किमत? संजय सिंह का मोदी सरकार पर बड़ा हमला

एजेंसी।
दिल्ली। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने ईंधन मूल्य वृद्धि के लिए केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के निर्देशों का पालन कर रही है और रूस से सस्ता तेल नहीं खरीद रही है। उन्होंने सरकार की संप्रभुता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनता को राहत देने के लिए सबसे सस्ते स्रोत से तेल खरीदा जाना चाहिए। आम आदमी पार्टी (आप) के सांसद संजय सिंह ने शनिवार को ईंधन की कीमतों में हालिया वृद्धि को लेकर भारत सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देशों का पालन कर रही है। सिंह ने जोर देकर कहा कि तेल की खरीद उसके स्रोत की परवाह किए बिना, सबसे सस्ते उपलब्ध स्रोत से की जानी चाहिए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए सिंह ने कहा कि वह (ट्रम्प) आदेश दे रहे हैं कि आपको रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए। उन्होंने तो यहाँ तक कह दिया है कि वे हम पर नजर रखेंगे। क्या हमारी राष्ट्रीय संप्रभुता अब भी बरकरार है? जहाँ कहीं भी सस्ता तेल उपलब्ध हो, स्रोत चाहे जो भी हो, आपको उसे खरीदना चाहिए और जनता को उपलब्ध कराना चाहिए।संजय सिंह ने सरकार द्वारा राष्ट्र से सात बार अपील जारी करने की भी निंदा की और कहा कि आपने लोगों को सोना न खरीदने का निर्देश जारी किया, लेकिन क्या आपने कभी उन कारीगरों और शिल्पकारों की दुर्दशा पर ध्यान दिया जिनकी आजीविका सोने के व्यापार पर निर्भर है? सिंह ने हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान वित्तीय कठिनाइयों के बारे में जनता को कभी सूचित न करने का आरोप सरकार पर लगाया और दावा किया कि चुनाव समाप्त होते ही, आप तुरंत अपनी कठिनाइयों पर विलाप करने लगे।उन्होंने तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा कमाए गए मुनाफे को उपभोक्ताओं तक न पहुँचाने की भी आलोचना करते हुए कहा कि पिछले कुछ दिनों से यह संदेश फैलाया जा रहा है कि लोगों को डीजल और पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी पर हंगामा नहीं करना चाहिए, बल्कि चुपचाप महंगाई को सहन करना चाहिए। इतना भारी मुनाफा कमाने के बाद, वे कुछ दिनों के लिए राहत या रियायतें तो दे ही सकते थे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ग पर, सिंह ने पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से ओएमसी के घाटे की खबरों को चुनौती देते हुए कहा कि यह जनता को चिल्ला–चिल्लाकर कह रहा है, 'तेल कंपनियों को रोजाना 100 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है, इसलिए चुपचाप महंगाई सहन करो।' इन चाटुकारों से पूछोरू मोदी जी के शासनकाल में 12 वर्षों में जनता से करों के नाम पर 44 लाख करोड़ रुपये लूटे गए हैं।

पीएम मोदी की चुप्पी पर भड़के राहुल गांधी, शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने की मांग की

एजेंसी।
दिल्ली। राहुल गांधी ने छम्म्ज पेपर लीक मामले में सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की तत्काल बर्खास्तगी की मांग की है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस का भारत की शिक्षा प्रणाली में धन कमाने का एक गठजोड़ है, जिसने इस व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को छम्म्ज–न्ळ परीक्षा के पेपर लीक होने के बाद रद्द किए जाने पर सरकार की कड़ी आलोचना की और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर इस मुद्दे पर चुप्पी साधने का भी आरोप लगाया। गांधी ने कहा कि परीक्षा लीक में शामिल लोगों को तुरंत जेल भेजा जाना चाहिए। कांग्रेस सांसद ने माइक्रो–ब्लॉगिंग वेबसाइट ग (पहले ट्विटर) पर एक वीडियो संदेश में कहा कि पूरा देश जानता है कि छम्म्ज का पेपर परीक्षा से ठीक दो दिन पहले ंिजे ।चच पर लीक हो गया था... सच्चाई यह है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने भारत की नींव को ही चोट पहुंचाई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता (स्वच) गांधी ने आगे आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (ठश्रच) और उसके वैचारिक मार्गदर्शक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ै) के बीच भारत की शिक्षा प्रणाली और विश्वविद्यालयों के माध्यम से धन कमाने का गठजोड़ है। गांधी ने कहा कि विश्वविद्यालयों में आरएसएस, भाजपा और उनसे संबद्ध लोगों का धन कमाने का एक गठजोड़ है। उन्होंने भारत की पूरी शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। यही कारण है कि देश में कम से कम 80 बार शोधपत्र लीक हुए हैं। प्रधानमंत्री को धर्मेंद्र प्रधान को तुरंत बर्खास्त करना चाहिए और इसमें शामिल लोगों को जेल भेजना चाहिए। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने पुणे की वरिष्ठ वनस्पति विज्ञान शिक्षिका मनीषा गुरुनाथ मंधारे को एक और ष्पेपर लीक की मुख्य साजिशकर्ताष के रूप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अनुसार, आरोपी जीव विज्ञान के प्रश्न पत्र लीक का मास्टरमाइंड थी। नंबर टाम्पा ए (एनटीए) ने मनीषा मंधारे को नीट–यूजी 2026 परीक्षा प्रक्रिया पर विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया था। परिणामस्वरूप, वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान के प्रश्न पत्रों तक उनकी पूरी पहुंच थी। जांच में पता चला कि अप्रैल 2026 के दौरान, उन्होंने पुणे की मनीषा वाघमारे (जिन्हें 14 मई को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है) के माध्यम से कई नीट उम्मीदवारों को जोड़ा। इन कक्षाओं के दौरान, उन्होंने वनस्पति विज्ञान और प्राणी विज्ञान विषयों के विभिन्न प्रश्नों को समझाया और छात्रों को उन्हें अपनी नोटबुक में लिखने और पाठ्यपुस्तकों में चिह्नित करने के लिए कहा। इनमें से अधिकांश प्रश्न 3 मई को आयोजित नीट यूजी 2026 के वास्तविक प्रश्न पत्र से मेल खाते थे।

नितिन गडकरी को धमकी भरे फोन करने के मामले में अदालत ने आतंकवाद विरोधी कानून के तहत दो लोगों को दोषी ठहराया

एजेंसी।
दिल्ली। दोनों फिलहाल नागपुर की केंद्रीय जेल में बंद हैं। अदालत ने उन्हें आईपीसी की धारा 385 और 387 (जबरन वसूली के लिए किसी व्यक्ति को जान से मारने या गंभीर चोट पहुंचाने का डर दिखाना), 506 (2) और 507 (आपराधिक धमकी), 34 (सामान्य इरादा), साथ ही यूएपीए की धारा 10 (गैरकानूनी संगठन का सदस्य होना), 13 (1) (गैरकानूनी गतिविधियों में भाग लेना) और 18 (आतंकवादी कृत्य करने की साजिश, उकसाना या प्रेरित करना) के

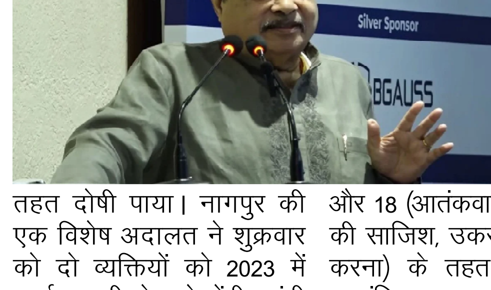

तहत दोषी पाया। नागपुर की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को दो व्यक्तियों को 2023 में कर्नाटक की जेल से केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को धमकी भरे फोन करने के आरोप में पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार के शर्मा ने कुख्यात अपराधी जयेश पुजारी उर्फ घ्कंथा और आतंकी आरोपी अफसर पाशा को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और सख्त गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की विभिन्न धाराओं के तहत दोषी ठहराया और सजा सुनाई। दोनों फिलहाल नागपुर की केंद्रीय जेल में बंद हैं। अदालत ने उन्हें आईपीसी की धारा 385 और 387 (जबरन वसूली के लिए किसी व्यक्ति को जान से मारने या गंभीर चोट पहुंचाने का डर दिखाना), 506 (2) और 507 (आपराधिक धमकी), 34 (सामान्य इरादा), साथ ही यूएपीए की धारा 10 (गैरकानूनी संगठन का सदस्य होना), 13 (1) (गैरकानूनी गतिविधियों में भाग लेना) और 18 (आतंकवादी कृत्य करने की साजिश, उकसाना या प्रेरित करना) के तहत दोषी पाया। हालांकि, अदालत ने उन्हें यूएपीए की धारा 20 (आतंकवादी कृत्य में शामिल आतंकवादी गिरोह या संगठन का सदस्य होना) के तहत बरी कर दिया। उन्हें विभिन्न धाराओं के तहत दो से पांच साल तक के कठोर कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई। सभी सजाएं साथ–साथ चलेंगी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, पहली धमकी भरी कॉल 14 जनवरी, 2023 को नागपुर स्थित मंत्री गडकरी के जनसंपर्क कार्यालय में प्राप्त हुई थी। कॉल के दौरान, आरोपियों ने कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये की मांग की और दाऊद इब्राहिम गिरोह से संबंध होने का दावा किया। उस समय, दोनों आरोपी कर्नाटक के बेलगावी स्थित हिंदलगा केंद्रीय जेल में बंद थे। 21 मार्च 2023 को दूसरा कॉल किया गया, जिसमें आरोपियों ने कथित तौर पर मंत्री को जान से मारने और 10 करोड़ रुपये न मिलने पर बम विस्फोट करने की धमकी दी। धमकियों के बाद, शहर की धंतोली पुलिस ने धमकी भरे कॉल के संबंध में दो अलग–अलग मामले दर्ज किए। जांच के दौरान, पुलिस को पता चला कि आरोपी जेल के अंदर से मोबाइल फोन और सिम कार्ड का इस्तेमाल करके अवैध रूप से काम कर रहे थे। जब्त किए गए फोन की फोरेंसिक जांच में, जांचकर्ताओं को कथित तौर पर तालिबान जिंदाबाद, टीटीपी और अन्य चरमपंथी संदर्भों वाले संदेश मिले। जांच में आरोपियों के तहरीक–ए–तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और डी–गैंग सहित प्रतिबंधित संगठनों से कथित संबंध भी सामने आए। जांचकर्ताओं ने साजिश को साबित करने के लिए कॉल डिटेल रिकॉर्ड, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, बैंक लेनदेन, जेल रिकॉर्ड और गवाहों के बयानों पर भरोसा किया। आरोपी अफसर पाशा की पृष्ठभूमि ने मामले को और भी गंभीर बना दिया। पाशा, जिसका पहले आतंकी गतिविधियों से संबंध था, कथित तौर पर लश्कर–ए–तैबा (स्मज) के गुर्गों से जुड़ा हुआ था और उसने बांग्लादेश में बम बनाने का प्रशिक्षण लिया था।

खुद तय कर ले कि इतिहास या भूगोल का हिस्सा बनना है, सेना प्रमुख की पाक को चेतावनी

एजेंसी।
दिल्ली। सेना प्रमुख (सीओएएस) नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में श्यूनिफॉर्म अनवेल्डश द्वारा आयोजित एक सत्र में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। जनरल द्विवेदी से पूछा गया कि अगर पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर को जन्म देने वाली परिस्थितियां फिर से उत्पन्न होती हैं तो भारतीय सेना क्या प्रतिक्रिया देगी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को पाकिस्तान को अपनी धरती पर आतंकवादियों को पनाह देने के खिलाफ कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि पड़ोसी देश को यह तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का हिस्सा। उनकी यह टिप्पणी भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मनाने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसे पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में शुरू किया गया था, जिसमें 26 लोगों की जान गई थी। सेना प्रमुख (सीओएएस) नई दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में श्यूनिफॉर्म अनवेल्डश द्वारा आयोजित एक सत्र में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। जनरल द्विवेदी से पूछा गया कि अगर पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर को जन्म देने वाली परिस्थितियां फिर से उत्पन्न होती हैं तो भारतीय सेना क्या प्रतिक्रिया देगी।सेना प्रमुख ने कहा कि यदि आपने मुझे पहले सुना है, तो मैंने जो कहा है... वह यह है कि पाकिस्तान, यदि वह आतंकवादियों को पनाह देना और भारत के खिलाफ अभियान चलाना जारी रखता है, तो उसे यह तय करना होगा कि वह भूगोल का हिस्सा बनना चाहता है या इतिहास का। ऑपरेशन सिंदूर पिछले वर्ष 7 मई को पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में शुरू किया गया था। इसके तहत, भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में लश्कर–ए–तैबा (एलईटीटी) और जैश–ए–मोहम्मद (जेईएम) के कई आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए। बाद में पाकिस्तान ने भारत के सैन्य और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाने की कोशिश की, जिसके जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने जवाबी कार्रवाई की, जो ऑपरेशन सिंदूर का ही हिस्सा थी। यह संघर्ष लगभग 88 घंटों तक चला, जिसके बाद पाकिस्तान के डीजीएमओ ने अपने भारतीय समकक्ष को फोन करके युद्धविराम का अनुरोध किया।हालांकि चार दिवसीय सैन्य संघर्ष 10 मई को समाप्त हो गया, लेकिन भारतीय नेतृत्व ने बार–बार कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर को केवल स्थगित किया गया है और पाकिस्तान को किसी भी प्रकार की दुस्साहस के खिलाफ चेतावनी दी है। भारतीय सेना ने यह भी कहा कि भारतीय सेना संघर्ष के चारों दिन तनाव की स्थिति पर हावी रही।

यूपीपीसीएल में नया प्रशासनिक आदेश लागू, सभी अधिकारियों को सख्त अनुपालन के निर्देश

लखनऊ,(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) में एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल की ओर से जारी आदेश में सभी अधीनस्थ अधिकारियों के बीच इसे प्रसारित कर सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।जारी आदेश के अनुसार उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड और उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड के विभिन्न स्तरों पर कार्यरत अधिकारियों को इसकी जानकारी देकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया है। आदेश की प्रति अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के निजी सचिवों के साथ कार्मिक, प्रशासन, वाणिज्य, वितरण, पारेषण, वित्त, तकनीकी, कारपोरेट योजना, कार्य एवं परियोजना, ऑपरेशन से जुड़े निदेशकों को भेजी गई है। मध्यांचल, पूर्वांचल, पश्चिमांचल, दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगमों के निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) और केस्को कानपुर को भी आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए हैं। विद्युत सेवा आयोग, एसएलडीसी परिसर विभूतिखंड गोमतीनगर लखनऊ के अधिकारियों को भी इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं।कारपोरेशन और ट्रांसमिशन इकाइयों के सभी मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता, सहायक अभियंता और अवर अभियंताओं को आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया है। लेखा प्रशासन से जुड़े महाप्रबंधक, उप महाप्रबंधक, मुख्य लेखाधिकारी, उप मुख्य लेखाधिकारी, लेखाधिकारी और सहायक लेखाधिकारीगण को भी आदेश की प्रति भेजी गई है।शक्ति भवन और शक्ति भवन विस्तार स्थित मुख्यालय के सभी अधिकारियों, अनुभागों और शिविरों को आदेश से अवगत कराया गया है। नामित डिस्कॉम एसीआर एडमिन, ट्रांसको एसीआर एडमिन और मास्टर एसीआर एडमिन को विशेष रूप से निर्देशित किया गया है कि आदेश का सख्ती से पालन कराया जाए।अधिशासी अभियंता (वेबसाइट) को आदेश उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे सभी अधिकारी इसे संज्ञान में लेकर निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप कार्य कर सकें।

कमाल मौला मस्जिद पर इंदौर हाईकोर्ट का फेसला राजनीतिक- अरशद अली

प्रयागराज। अल्पसंख्यक के नि० शहर अध्यछ अरशद अली ने कहा है कि भोजशाला – कमाल मौला मस्जिद को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा मंदिर घोषित कर दिया जाना न्यायिक कम राजनैतिक फैसला ज्यादा है. क्योंकि कथित एएसआई रिपोर्ट पर मुस्लिम पक्ष द्वारा उठाए गए सवालों का संज्ञान ही हाईकोर्ट द्वारा नहीं लिया गया। वहीं इस मामले में पूजा स्थल अधिनियम 1991 की भी अवहेलना की गई है। उन्होंने उम्मीद जतायी है कि सुप्रीम कोर्ट हाईकोर्ट के इस फैसले को पलट देगा।अरशद अली ने कहा कि पूजा स्थल अधिनियम स्पष्ट तौर पर कहता है कि 15 अगस्त 1947 तक धार्मिक स्थलों का जो भी चरित्र था वो यथावत रहेगा। इसे चुनौती देने वाले किसी भी प्रतिवेदन या अपील को किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण (ट्रिब्युनल) या प्राधिकार (अथॉरिटी) के समक्ष स्वीकार ही नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि इंदौर हाईकोर्ट का यह फैसला 12 दिसंबर 2024 को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन के उस आदेश की भी अवमानना है जिसमें उन्होंने अदालतों को मस्जिदों और मंदिरों के दावों पर कोई भी याचिका स्वीकार करने, लंबित मामलों में कोई भी आदेश जारी करने पर रोक लगायी थी। कांग्रेसी नेता ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि निचली अदालतें सुप्रीम कोर्ट के आदेशों की अवमानना कर रही हैं और सुप्रीम कोर्ट अपनी अवमानना पर चुप्पी साधे हुए है. जिससे साबित होता है कि ऐसे फैसले सत्ताधारी गिरोह के राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए दिए जा रहे हैं।कांग्रेस नेता ने कहा कि सबसे आश्चर्यजनक तथ्य यह है कि मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी की तरफ से कथित एएसआई रिपोर्ट पर यह आपत्ति जताई गई थी कि कमाल मौला मस्जिद–भोजशाला मंदिर की रिपोर्ट में हर जगह एएसआई ने उसे 'भोजशाला मंदिर' लिखा। रिपोर्ट की यह भाषा उसकी निष्पक्षता को पहले ही संदिग्ध बना देती है. जिसपर आश्चर्यजनक तौर पर कोर्ट ने कोई संज्ञान नहीं लिया। वहीं एएसआई पर यह भी आरोप लगा कि उसने मस्जिद पक्ष को न तो उत्खनन के कलर फोटो दिए और जो वीडियो दिए भी वो भी बहुत छोटे थे। जबकि मस्जिद पक्ष ने उन्हें यह उपलब्ध कराने की मांग बारबार की थी। वहीं मस्जिद पक्ष के वकीलों के इस तर्क का भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया कि एएसआई ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के विरुद्ध जाकर भौतिक उत्खनन क्यों किया जिससे ढांचे के आकार और दिखावट में बदलाव आ गया। वहीं मस्जिद पक्ष की इस दलील पर भी कोर्ट ने संज्ञान नहीं लिया कि खुदाई में एक पटिया के नीचे से प्लास्टिक की बोतलें, पेपर कप और अन्य प्लास्टिक की चीजें और वो भी बिल्कुल साफ सुथरी कैसे मिल सकती हैं।

आधुनिक तकनीक से पुलिसिंग होगी अधिक पारदर्शी और प्रभावी, पीआरवी कर्मियों को दिया गया विशेष प्रशिक्षण

लखनऊ,(आरएनएस) । जिला प्रशिक्षण इकाई (डीटीयू), पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ में शुक्रवार को पीआरवी कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सहायक पुलिस आयुक्त–112 ने कर्मियों को आधुनिक तकनीकी उपकरणों के प्रभावी, पारदर्शी और विधिसम्मत उपयोग के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। प्रशिक्षण में बड़ी संख्या में पीआरवी कर्मियों और अधिकारियों ने भाग लिया।प्रशिक्षण सत्र के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त–112 ने कहा कि वर्तमान समय में आधुनिक तकनीक पुलिस व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। तकनीकी उपकरणों के बेहतर उपयोग से अपराध नियंत्रण और कानून–व्यवस्था को मजबूत करने के साथ आमजन को त्वरित और बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराई जा सकती है।कार्यक्रम में घटनास्थल से साक्ष्यों के वैज्ञानिक तरीके से संकलन, संरक्षण और परीक्षण में क्राइम सीन किट की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि यदि साक्ष्यों का सही ढंग से संकलन और संरक्षण किया जाए तो अपराधियों के खिलाफ मजबूत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकती है।प्रशिक्षण में पीटीजेड कैमरा और बॉडी वॉर्न कैमरों के प्रभावी उपयोग की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि बॉडी वॉर्न कैमरों से पुलिस कार्रवाई का वास्तविक रिकॉर्ड सुरक्षित रहता है, जिससे पारदर्शिता बढ़ती है और संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित नजर रखी जा सकती है। वहीं आपातकालीन परिस्थितियों में प्रभावी प्रतिक्रिया देने में भी मदद मिलती है।पीआरवी कर्मियों को व्यवहारिक उदाहरणों और तकनीकी प्रक्रियाओं के जरिए उपकरणों के संचालन, रखरखाव और उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया। उन्हें निर्देशित किया गया कि किसी भी आपात स्थिति में आधुनिक तकनीक का उपयोग संवेदनशीलता, जिम्मेदारी और दक्षता के साथ करें।सहायक पुलिस आयुक्त–112 ने कहा कि तकनीक का उद्देश्य केवल अपराध नियंत्रण नहीं, बल्कि आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत करना भी है। ड्यूटी के दौरान अनुशासन, संवेदनशीलता और पेशेवर व्यवहार बनाए रखते हुए तकनीकी उपकरणों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए।प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर अधिकारियों और कर्मियों को भविष्य में तकनीकी प्रशिक्षण के माध्यम से अपनी कार्यक्षमता और बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

भाजपा नेता नितेश राणे के बयान पर विरोध, ज्ञापन सौंपा

प्रयागराज। महाराष्ट्र सरकार में मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी के नेता नितेश राणे ने एआईएमआईएम पार्टी को आतंकवादी संगठन कहकर एवं

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद बैरिस्टर असदउद्दीन ओवैसी की तुलना पूर्व अलकायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन से करते हुए अमर्यादित विवादित बयान दिया है। जिसके कारण एआईएमआईएम पार्टी कार्यकर्ताओं के अंदर भारी आक्रोश व्याप्त है। इसी बयान को लेकर ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआईएमआईएम ने आज राष्ट्रपति के नाम जिलाधिकारी के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में नितेश राणे के बयान के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही की मांग की गई है। महानगर अध्यक्ष अफसर महमूद ने अपने वक्तव्य ने कहा कि एआईएमआईएम पार्टी भारतीय चुनाव आयोग में रजिस्टर्ड पार्टी है जिसके जीते हुए सांसद एवं विधायक देश की संसद एवं विधायिका में तथा नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत, जिला पंचायत मे पार्षद अलग अलग मुख्यालयों मे प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ऐसे में भारतीय चुनाव आयोग ने रजिस्टर्ड पार्टी को आतंकवादी संगठन कहना कानून संविधान चुनाव आयोग की गाइडलाइन के विरुद्ध है। ऐसा विवादित बयान अपराध के श्रेणी में आता है। ऐसे सरफिरे मंत्री के विवादित बयान पर उचित कार्यवाही की जाए। ऐसे बिगड़ैल विवादित बयान देने वाले मंत्री को तत्काल प्रभाव से महाराष्ट्र सरकार अपने मंत्रिमंडल से बर्खास्त करते हुए एआईएमआईएम पार्टी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदउद्दीन ओवैसी पर दिए गए विवादित बयान के संबंध में बैरिस्टर साहब एवं पार्टी से जुड़े हुए सभी कार्यकर्ताओं से सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगी जाए।उन्होंने कहा कि मदरसों पर तथ्यहीन आरोप लगाकर आतंकवादियों का केंद्र कहने, मदरसों में किताब के बजाय बंदूक मिलने के फर्जी एवं भ्रामक आरोप भरे विवादित गैर जिम्मेदाराना बयान देने के विरुद्ध कठोर मुकदमा चलाया जाए। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से कुरैश अहमद जाफरी, अली शेर खान, निजामुद्दीन, सैयद इरशाद आलम, इफ्तेखार अहमद मंदर, मेराज अहमद, शरिक कलीम, जुबैर अहमद, रियाजुल हक, मोहम्मद अली, अनिल यादव, तरन्नुम, मोहम्मद इफ्तेखार अंसारी, शाहनवाज हुसैन, मोहम्मद जैद, इसरार अहमद साहिल, गुड़िया, महजबी, नाजनीन,शबीना, मोहम्मद आरिफ, अदीब अली, तौसीफ अंसारी, शादाब आलम, हसीन अहमद, गुलाब मोहम्मद तकी, मोहम्मद सईद, शमशाद अहमद आदि लोग उपस्थित थे।

गोरखपुर को मिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का तोहफा, 393 करोड़ की लागत से होगा निर्माण

गोरखपुर,(आरएनएस) । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ और केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप पूरी ने शनिवार को गोरखपुर में 393 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। 46 एकड़ भूमि पर बनने वाला यह स्टेडियम 30 हजार दर्शकों की क्षमता से युक्त होगा और इसमें आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार खेल अवस्थापना को लगातार मजबूत कर रही है। 'खेलो इंडिया', 'फिट इंडिया मूवमेंट' और खेल प्रतियोगिताओं ने देश में नई खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया है, जिसके परिणामस्वरूप भारत का प्रदर्शन ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर हुआ है।मुख्यमंत्री ने बताया कि गोरखपुर में बनने वाले इस अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में चार हाई मास्ट स्पोर्ट्स लाइटिंग सिस्टम, मुख्य मैदान में सात प्लेइंग पिच, आठ अभ्यास पिच और प्रवेश–निकास के लिए आठ द्वार बनाए जाएंगे। स्टेडियम अग्नि सुरक्षा, भूकंपरोधी तकनीक, ऊर्जा दक्ष प्रणाली, एलईडी प्रकाश व्यवस्था और आधुनिक वातानुकूलन व्यवस्था से सुसज्जित होगा। इसके साथ ही समीप स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भी निर्माण होगा, जहां हॉकी, इंडोर खेल और अन्य खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार गांव स्तर पर खेल मैदान, विकासखंड स्तर पर मिनी स्टेडियम और जिला स्तर पर स्टेडियम विकसित कर रही है। प्रत्येक मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज की दिशा में काम चल रहा है। मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने खेल नीति के तहत ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व चौंपियनशिप में पदक जीतने वाले 534 से अधिक खिलाड़ियों को सरकारी नौकरी दी है और 500 अन्य खिलाड़ियों की सीधी भर्ती प्रक्रिया भी शुरू की गई है।मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कानून–व्यवस्था, सड़क संपर्क और आधारभूत ढांचे में सुधार का उल्लेख करते हुए कहा कि गोरखपुर से वाराणसी और लखनऊ की दूरी पहले की तुलना में काफी कम समय में तय की जा रही है। प्रदेश के सभी जनपदों को चार लेन संपर्क मार्ग, बेहतर हवाई अड्डे और एक्सप्रेस–वे नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है।केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि गोरखपुर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण केवल एक परियोजना नहीं, बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं के सपनों को नई दिशा देने वाला कदम है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास, सुशासन और आधुनिक अवस्थापना के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। प्रदेश की मजबूत कानून–व्यवस्था ने निवेश और औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया है।केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री कमलेश पासवान ने कहा कि स्टेडियम बनने से गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के युवाओं को उच्चस्तरीय खेल सुविधाएं मिलेंगी। यहां भविष्य में बड़े क्रिकेट मुकाबले और आईपीएल जैसे आयोजन होने की संभावना बनेगी, जिससे क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।कार्यक्रम को खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव और सांसद त्ंअप झ्र्पींद ने भी संबोधित किया।

ग्राम समाज की भूमि भूमिहीनों में पट्टे हेतु आसपा ने किया प्रदर्शन

एफएनआई यूटूब चैनल के विरुद्ध एफआईआर हेतु सौंपा ज्ञापन

प्रयागराज। भूमि सुधार कानून के अन्तर्गत भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में भूमि आवंटन करने के संबंध में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के तत्वावधान में यमुनापार की तहसील बारा के प्रांगड़ में उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आसपा के पूर्व जिला महामंत्री आईपी रामबृज के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया।आसपा के पूर्व जिला महामंत्री उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने बताया कि तहसील दिवस पर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ को यमुनापार की प्रत्येक ग्रामसभा में स्थित समस्त भूमिहीन खेतिहर मजदूरों द्वारा अनुरोध किया गया कि प्रत्येक ग्रामसभा में चकबंदी के दौरान छूटी अतिरिक्त जमीनों को भूमाफियाओं से मुक्त करवाकर भूमिहीन खेतिहर मजदूरों में आवंटित कराने का आवेदन पत्र, प्रार्थना पत्र सतत दिया जाता रहा है किन्तु क्षेत्रीय लेखपालों की गलत आख्या की गांवों में सरकारी जमीन है ही नहीं तो पट्टा कहा से किया जाय।आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश अनुभाग– 5 लखनऊ के द्वारा जिलाधिकारी प्रयागराज को निर्देशित आदेश के अनुपालनार्थ क्रियान्वयन हेतु तहसील बारा के प्रांगण में जमकर धरना प्रदर्शन किया गया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी बारा डा. गणेश कुमार कनौजिया को सौंपा गया।वहीं दूसरी ओर थाना बारा के अन्तर्गत आने वाली ग्रामसभा पांडर, मजरा कोट वारन का पुरवा निवासी राज रावत पुत्र श्याम बाबू जो एफएनआई यूट्यूब चौनल चलता है। संविधान के अनुच्छेद 13 जो अंधविश्वास पाखंड और कुरीतियों को समाप्त कर वैज्ञानिक सोच के आधार पर देश को आगे बढ़ाने की बात करता है किन्तु एफएनआई न्यूज चौनल का रिपोर्टर सतत संविधान के अनुच्छेद 13 के विरुद्ध अंधविश्वास पाखंड और कुरीतियों का पोषक है और महिला सशक्तिकरण के विरुद्ध महिलाओं के अपमान को अत्यधिक प्रचारित प्रसारित करता रहता है। ऐसे यूट्यूब चौनल को बन्द करने के साथ साथ यूट्यूब चौनल के रिपोर्टर राज रावत पुत्र श्याम बाबू के विरुद्ध उचित धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करके कानूनी कार्यवाही करने के बाबत भी उप जिलाधिकारी बारा से कानूनी कार्यवाही करने की मांग की गई है।प्रदर्शन में पूर्व जिला महामंत्री सुशांत सिंह अम्बेडकर, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष मुकेश पासी, विधानसभा महामंत्री अनिकेत कुमार बिंद, विधानसभा उपाध्यक्ष पवन कुमार गौतम, विधानसभा उपाध्यक्ष रवि कुमार, राजू राव, भाई लाल, गुरुदीन, राम सिंह समर जीत, विपिन, संजय कुमार, चंदन, पूनम कोल, शीला, रेखा, प्रभावती, सन्नों, सुनीता, सुषमा, टेरसी, सीता देवी, गीता देवी, मीरा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

वाराणसी में विकास कार्यो और बिजली व्यवस्था को लेकर मंत्री ए.के. शर्मा सख्त, अधिकारियों को दिए निर्देश

लखानऊध्वाराणसी, (आरएनएस)। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने वाराणसी में नगर विकास और ऊर्जा विभाग की अलग–अलग समीक्षा बैठक कर अधिकारियों को विकास कार्यों में तेजी लाने और बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर से जुड़े सभी विकास कार्यों को तत्काल प्रभाव से पूरा किया जाए और आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए।मंत्री ए.के. शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क, नाली, दीवारों की पेंटिंग, पार्कों का रखरखाव, पार्कों का सौंदर्यीकरण, इंटरलॉकिंग और सड़क किनारे सुंदरीकरण से जुड़े कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नगर विकास से जुड़े कार्यों की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए।नगर विकास मंत्री ने 15 मई की रात नगर आयुक्त के साथ वाराणसी शहर का स्थलीय निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने सड़कों, नालियों, सौंदर्यीकरण कार्यों और दीवारों की पेंटिंग का जायजा लिया। कई स्थानों पर निर्माण कार्य प्रगति पर मिले, जहां उन्होंने स्थानीय नागरिकों से बातचीत कर कार्यों की गुणवत्ता और प्रगति की जानकारी ली। स्थानीय लोगों ने कार्यों को संतोषजनक और गुणवत्तापूर्ण बताया।मंत्री ने बारिश से पहले नालों की सफाई सुनिश्चित करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जलभराव की समस्या किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर में कहीं भी कूड़ा–कचरा जमा न होने पाए और पूरे वाराणसी में साफ–सफाई अभियान पूरी सक्रियता से चलाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी बनारसवासियों के सहयोग और बेहतर कार्यों के बल पर इस बार वाराणसी को स्वच्छता रैंकिंग में बेहतर स्थान दिलाने का प्रयास किया जाए।ऊर्जा विभाग की समीक्षा बैठक में मंत्री ने गर्मी के मौसम को देखते हुए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि, ट्रांसमिशन लाइन की मजबूती और बिजली संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान प्राथमिकता पर किया जाए।

फाफामऊ, खेलगांव, कैंटोनमेंट और भानु प्रताप क्लब विजयी

केएस स्पोर्ट्स अंडर-12 क्रिकेट में लकी का हरफनमौला खेल, आदित्य व अर्पित भी चमके

प्रयागराज। फाफामऊ क्लब, खेलगांव पब्लिक स्कूल बी, कैंटोनमेंट बोर्ड क्लब ए और भानु प्रताप क्लब ने अपने–अपने मुकाबले जीतकर केएस स्पोर्ट्स अंडर–12 क्रिकेट प्रतियोगिता में पूरे अंक प्राप्त किए। फाफामऊ क्लब के लकी सरोज ने बहुमुखी खेल (74 रन एवं दो विकेट) का प्रदर्शन किया।शनिवार को फाफामऊ मैदान पर खेले गए मैच में सेंट जोसेफ स्कूल क्लब कुंडा ने 25 ओवर में 9 विकेट पर 140 रन (अभिनव यादव 44, अभिनव सिंह 22, आयुष पटेल 18 नाबाद, दीपांश सिंह 3ध्23, लकी सरोज 2ध्10, अंश चौरसिया 1ध्17) बनाए। जवाब में फाफामऊ क्लब ने 24.5 ओवर में 8 विकेट पर 143 रन (लकी सरोज 74, दीपांश सिंह 14, अभिनव यादव 2ध्25, संस्कार यादव व आयुष पटेल एक–एक विकेट) बना लिए। लकी सरोज को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

खेलगांव पब्लिक स्कूल मैदान पर इलाहाबाद पब्लिक स्कूल ने 25 ओवर में 7 विकेट पर 99 रन (हनी सिंह 29 नाबाद, पूर्व चतुर्वेदी 2ध्12, शौर्य कुमार, गर्वित सिंह, कुशाग्र द्विवेदी, रोहिताक्ष आनंद व शशांक सिंह एक–एक विकेट) बनाए। जवाब में खेलगांव पब्लिक स्कूल बी ने 21.1 ओवर में 6 विकेट पर 101 रन (गौरांग सिंह 29, कुशाग्र द्विवेदी 15 नाबाद, अनिरुद्ध 3ध्12, ऋषि खरे 3ध्31) बना लिए। शौर्य कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

चक हरिहरगंज झूसी मैदान पर पहले मैच में कैंटोनमेंट बोर्ड क्लब बी ने 22.2 ओवर में 71 रन (तेजस गौतम 16, शिवांश तिवारी 10, सजल तिवारी 2ध्12, आयुष पटेल 2ध्12, हनी 2ध्14) बनाये। जवाब में कैंटोनमेंट बोर्ड क्लब ए ने 14.4 ओवर में सात विकेट पर 75 रन (यशस्वी 19, यश मौर्य 2ध्02, शिवांश तिवारी 2ध्18, पीयूष कुमार 2ध्25) बना लिए। सजल तिवारी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

भाजपा सरकार में व्यापारी परेशान, 2027 में बदलाव तय - अखिलेश यादव

लखनऊ, (आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री ।ापसमी ल्कंअ ने भाजपा सरकार पर व्यापारियों के उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में व्यापारी वर्ग सबसे अधिक परेशान है। उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासन व्यापारियों को फर्जी मामलों में फंसाकर परेशान कर रहे हैं और कई व्यापारी कथित पुलिस उगाही का शिकार हो रहे हैं।शनिवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में स्वर्णकार समाज के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों ने सर्राफा कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उन्होंने सोने से जुड़े सरकारी फैसलों पर सवाल उठाते हुए कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई का असर व्यापार और आमजन दोनों पर पड़ रहा है। उनका कहना था कि जब लोगों के पास खर्च करने के लिए पर्याप्त धन नहीं होगा तो अर्थव्यवस्था मजबूत नहीं हो सकती।अखिलेश यादव ने कहा कि स्वर्णकार समाज का देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है और समाजवादी पार्टी हमेशा इस समाज के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि स्वर्णकार समाज पीडीए का हिस्सा है और समाजवादी पार्टी पीड़ितों के हितों की लड़ाई लड़ती रहेगी।पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार और आर्थिक केंद्रीकरण का आरोप लगाते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर स्वर्णकार बोर्ड का गठन किया जाएगा। साथ ही स्वर्णकारों के लिए डिजाइन विश्वविद्यालय की स्थापना और संत नरहरि दास महाराज की प्रतिमा गोमती रिवरफ्रंट पर स्थापित करने का काम किया जाएगा।अखिलेश यादव ने दावा किया कि वर्ष 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर सभी को सुरक्षा और न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अमन–चौन कायम किया जाएगा और किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।बैठक में स्वर्णकार समाज के प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखते हुए भाजपा सरकार पर विभिन्न केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाया और समाजवादी पार्टी के प्रति समर्थन जताया। प्रतिनिधियों ने कहा कि वर्ष 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए स्वर्णकार समाज पूरी ताकत से कार्य करेगा।इस अवसर पर सांसद राम भुआल निषाद, प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, राजेंद्र चौधरी, अंबिका चौधरी, कनकलता सिंह, फरीद महमूद किदवई सहित कई नेता और स्वर्णकार समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मिशन शक्तिफेज-5 के तहत छात्राओं को किया गया जागरूक

महिला सुरक्षा, साइबर अपराध और आत्मरक्षा की दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

सुलतानपुर। जनपद के श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेज–5 अभियान के अंतर्गत विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा, साइबर अपराध से बचाव एवं उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर थाना अखंडनगर के इंस्पेक्टर धीरेन्द्र कुमार वर्मा अपनी टीम के साथ उपस्थित रहे। वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य आशुतोष सिंह ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ–साथ सुरक्षा संबंधी जानकारी होना भी अत्यंत आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान पुलिस टीम ने छात्राओं को महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, 112 एवं अन्य आपातकालीन सेवाओं की जानकारी देते हुए साइबर ठगी और सोशल मीडिया से जुड़े अपराधों से सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही आत्मरक्षा के उपायों एवं कठिन परिस्थितियों में साहस के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया।विद्यालय की शिक्षिकाएं मनीषा पांडे एवं रीता सिंह ने भी छात्राओं को मिशन शक्ति अभियान के उद्देश्यों एवं महिला सशक्तिकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान कीं। कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और महिला सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता से जुड़े विषयों पर जानकारी प्राप्त की। विद्यालय परिवार ने इस पहल को छात्राओं के लिए बेहद उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया।

मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री एवं उपाध्यक्ष राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने विंध्य फूड कॉर्नर का किया उद्घाटन, स्टॉल का लिया जायजा

मिर्जापुर, 16 मई 2026– केन्द्रीय राज्यमंत्री स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं रसायन उर्वरक भारत सरकार अनुप्रिया पटेल ने आज कलेक्ट्रेट परिसर में विंध्य फूड कॉर्नर का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सोहन लाल श्रीमाली, मा0 विधायक छानबे रिंकी कोल, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजक कौशिक, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 धर्मजीत सिंह, उपायुक्त एन0आर0एल0एम0 रमाशंकर सिंह सहित तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मा0 केन्द्रीय मंत्री ने विंध्य फूड कॉर्नर का उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र के पारंपरिक व्यंजनों, स्थानीय मोटे अनाज से बने उत्पादों और महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार खाद्य पदार्थों को बढ़ावा देना है। यहां कचौड़ी, दही बड़ा, लिट्टी–चोखा, बाजरा के लड्डू के उत्पाद और विंध्य क्षेत्र के अन्य लोक व्यंजन उपलब्ध होंगे। उद्घाटन के बाद केंद्रीय राज्यमंत्री ने सभी स्टॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने महिला समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों की गुणवत्ता की सराहना की और स्वाद भी चखा। उन्होंने कहा, "विंध्य फूड कॉर्नर से स्थानीय स्वाद को पहचान मिलेगी और महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिलेगी। यह 'वोकल फॉर लोकल' की दिशा में अहम कदम है।" जिलाधिकारी ने बताया कि फूड कॉर्नर रोजाना सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक संचालित होगा। भविष्य में इसे ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफॉर्म से भी जोड़ा जाएगा। राज्यमंत्री ने जिलेवासियों से विंध्य फूड कॉर्नर में आकर स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेने और महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने की अपील की।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी शिखा मिश्रा ने किया कार्यभार ग्रहण ।

जय प्रकाश मिश्रा जिला संवाददाता जौनपुर

महराजगंज शिक्षा विभाग में नवागत खंड शिक्षा अधिकारी शिखा मिश्रा ने महराजगंज विकासखंड में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। उनके पदभार संभालते ही शिक्षकों एवं कर्मचारियों में

उत्साह का माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष उमेंद्र प्रताप सिंह ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि नई खंड शिक्षा अधिकारी के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी तथा विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता बेहतर होगी।खंड शिक्षा अधिकारी शिखा मिश्रा ने कहा कि शासन की योजनाओं को पूरी पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ लागू करना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने शिक्षकों से सहयोग की अपेक्षा करते हुए बच्चों की बेहतर शिक्षा एवं विद्यालयों के विकास के लिए मिलकर कार्य करने की बात कही।कार्यक्रम के दौरान विभागीय कर्मचारी, शिक्षक जिनमें चंद्रप्रकाश मिश्रा, अजय मिश्रा, केशव सिंह प्रधानाध्यापक एवं अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री ने विन्ध्य प्रसादम बाक्स व गिफ्ट बाक्स का किया शुभारम्भ

विन्ध्य प्रसादम बाक्स का यह पहल वोकल फश्र लोकल और महिला सशक्तिकरणश् का जीवंत उदाहरण -अनुप्रिया पटेल

मिर्जापुर, 16 मई 2026– मा0 केन्द्रीय राज्यमंत्री स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं रसायन उर्वरक भारत सरकार श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए श्विंध्य प्रसादम व गिफ्ट बॉक्स का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग सोहन लाल श्रीमाली, मा0 विधायक छानबे रिंकी कोल, जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजक कौशिक, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 धर्मजीत सिंह, उपायुक्त एन0आर0एल0एम0 रमाशंकर सिंह सहित तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर मंत्री महोदय ने कहा कि यह पहल वोकल फॉर लोकल और महिला सशक्तिकरणश् का जीवंत उदाहरण है। एन0आर0एल0एम0 समूह की महिलाओं ने विंध्य क्षेत्र के स्थानीय उत्पादों पारंपरिक व्यंजनों और हस्तशिल्प को मिलाकर यह विशेष गिफ्ट बॉक्स तैयार किया है। मा0 केन्द्रीय मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल ने इस सराहनीय पहल के लिए जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, परियोजना निदेशक डी0आर0डी0 धर्मजीत सिंह व उपायुक्त एन0आर0एल0एम0 रमाशंकर सिंह की सराहना भी की। मंत्री ने एन0आर0एल0एम की महिलाओं के हुनर और उद्यमिता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयासों से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ–साथ भारत की समृद्ध संस्कृति और खान–पान को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। यह गिफ्ट बॉक्स त्योहारों, कॉर्पोरेट गिफ्टिंग और पर्यटन को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि विन्ध्याचल में आने वाले दर्शनार्थियो के लिए समूह की महिलाओ के निर्मित यह विन्ध्य प्रसादम उपलब्ध है इसमें चुनरी से लेंकर पूरी पूजा की सामाग्री व प्रसाद उपलब्ध है। विन्ध्य कारीडोर में एक स्थान चिन्हित किया गया है जहां पर दर्शनार्थी विन्ध्य प्रसादम को प्राप्त कर सकते है।

जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने बताया कि विंध्य प्रसादम बाक्स मे मंदिर ढांचा, अगरबत्ती, धूपबत्ती, बम्बू आइटम, लाची दाना, स्मक बल्ब, दौना पत्ता, चुनरी, रुद्राक्ष माला, कदंब का बीज, आसनीध आसन के अलावा शिवपुर का पेड़ा, घी व गुड़ को मिलाकर विशेष विन्ध्य प्रसादमधगिफ्ट बाक्स तैयार किया गया है जिसका मूल्य रूपया दो हजार प्रति बाक्स हैं। इसके अलावा विन्ध्य गिफ्ट बाक्स में तेल 500 मिलीलीटन, सूरन आचार, कटहल आचार, ग्राम, मिर्च आचार, बेसन, सत्तू, दाल, क्रमशः 250–250 ग्राम व मोरिंगा पाउडर, आम का आमचूर, करी पत्ता पाउडर, पापड़ क्रमशः 100–100 व मिर्च पाउडर, गरम मसाला पाउडर, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, खड़ा गरम मसाला क्रमशः 50–50 ग्राम एवं हैण्डवाश हार्पिक डिशवास, आलावास 250–250 ग्राम के अलावा 100 रूप्ये डिलीवरी चार्ज कुल मिलाकर विन्ध्य गिफ्ट बाक्स का मूल्य 1282 रूपया निधारित किया गया है।

चिलचिलाती धूप और उमस से जनमानस बेहाल

जौनपुर।जिले में भीषण गर्मी का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को लगातार तीसरे दिन अधिकतम

पारा 44 डिग्री रहा। न्यूनतम तापमान में बढ़ोतरी जारी रही और एक डिग्री ऊपर चढ़कर 27 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। बाहर चिलचिलाती धूप और घर व दफ्तरों के अंदर उमस ने लोगों का चौन छीन लिया। पंखे व कूलर के सामने बैठे रहने पर भी पसीना नहीं सूखा। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक फिलहाल प्रचंड गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। सुबह से ही गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए। सूरज की गर्म किरणें बदन में चुभने लगीं। तपिश से आम जनमानस बुरी तरह बेहाल नजर आया। दोपहर होते–होते तेज धूप व 13 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चलने वाली गर्म हवा कहर ढाने लगी। भीषण गर्मी से बेचौन लोग बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा सके। इसके चलते दोपहर को शहर की प्रमुख बाजार व चौराहों पर सन्नाटा पसरा दिखाई दिया। जरूरी काम से निकले लोग गर्मी में पसीना–पसीना होकर छांव तलाशते रहे। पिछले दिनों बारिश के बाद चिलचिलाती धूप व उमस भरी गर्मी ने जनमानस को बेहाल कर दिया है। मंगलवार को दोपहर में तेज धूप के कारण लोगों का जहां राह चलना दुश्वार हो गया, वहीं आवागमन में पसीने छूट गए। हालांकि मौसम विज्ञानियों के अनुसार आने वाले दिनों में बारिश की संभावना बनी हुई है। सूरज की किरणों के धरती पर आते ही लोग गर्मी से परेशान हो गए। ज्यों ज्यों दिन चढ़ता गया चिलचिलाती धूप ने आमजन को बेहाल कर दिया। गर्मी ऐसी कि कूलर, पंखे भी फेल हो गए हैं।

कर्ज के बोझ तले दबे सर्राफा व्यापारी की ट्रेन से कटकर मौत

सुल्तानपुर। शहर के लखनऊ नाका रेलवे क्रॉसिंग पर शनिवार दोपहर एक सर्राफा व्यापारी की मालगाड़ी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जयसिंहपुर कोतवाली क्षेत्र के महमूदपुर सलाहपुर बरदहिया निवासी 35 वर्षीय अनिल कुमार सोनी के रूप में हुई है। परिजनों ने आर्थिक तंगी और भारी कर्ज के चलते आत्महत्या की आशंका जताई है।जानकारी के अनुसार अनिल कुमार सोनी शनिवार दोपहर रेलवे ट्रैक के किनारे पैदल जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार मालगाड़ी की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि उनका बायां हाथ कंधे से अलग हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और तत्काल जीआरपी को सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही जीआरपी थाने के उप निरीक्षक आरिफ खान टीम के साथ मौके पर पहुंचे। तलाशी के दौरान मृतक की जेब से मिले आधार कार्ड के आधार पर उनकी पहचान की गई। बाद में परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।बताया जा रहा है कि अनिल कुमार सोनी अपने घर के पास ही सर्राफा की दुकान चलाते थे। वह चार भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। उनके भाई गुलाब सोनी पंजाब में रहते हैं, जबकि फूल सोनी और अमित सोनी सुल्तानपुर में ही हैं। मृतक की पत्नी चंदा सोनी ने बताया कि दुकान पर काफी कर्ज हो गया था और वह लंबे समय से मानसिक तनाव में चल रहे थे। लोन की किस्तें जमा न कर पाने को लेकर वह परेशान रहते थे। शनिवार को भी उन्होंने घर से निकलते समय किस्त जमा करने की बात कही थी। अनिल अपने पीछे पत्नी और दो मासूम बेटों को छोड़ गए हैं। बड़ा बेटा अमन कक्षा पांच का छात्र है, जबकि छोटा बेटा आयुष कक्षा दो में पढ़ता है।

निष्पक्ष पत्रकारिता के प्रेरणास्रोत थे शीतला सिंह - न्यायमूर्ति डी.पी. सिंह

तीसरी पुण्यतिथि पर याद किए गए शीतला सिंह

लखनऊ । वस्तुनिष्ठ, निर्भीक और निष्पक्ष पत्रकारिता के पर्याय माने जाने वाले पत्रकार स्वर्गीय शीतला सिंह की तीसरी पुण्यतिथि पर यूपी प्रेस क्लब में संगोष्ठी एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। शीतला सिंह के पुत्र सूर्य नारायण सिंह जनमोर्चा द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति डी.पी. सिंह ने संबोधन में कहा कि स्वर्गीय शीतला सिंह सत्य, निष्पक्षता और निर्भीक पत्रकारिता के सशक्त स्तंभ थे। उन्होंने कहा कि रामजन्मभूमि आंदोलन के दौर में देश ही नहीं, विदेशों से आने वाले मीडिया संस्थान भी तथ्यों और प्रामाणिक जानकारी के लिए शीतला सिंह का मार्गदर्शन लेते थे। उस समय शासन–प्रशासन भी कई जटिल विषयों पर उनकी राय को गंभीरता से सुनता था। उन्होंने कहा कि शीतला सिंह ने हमेशा सत्ता से सवाल पूछने और जनपक्षधर पत्रकारिता को मजबूती देने का कार्य किया। उन्होंने पत्रकारों से अपील करते हुए कहा कि पत्रकारिता को तथ्यहीनता और पूर्वाग्रह से बचाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। समाज और राष्ट्र से जुड़े मुद्दों पर मीडिया की सजग भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इतिहास को पढ़ने, सामाजिक चेतना को मजबूत करने और सनातन मूल्यों की रक्षा में पत्रकारिता की भूमिका को भी रेखांकित किया।

यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन के अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी ने शीतला सिंह को पत्रकारिता जगत का आइकॉन बताया ।

यूपी प्रेस क्लब के अध्यक्ष रविंद्र सिंह ने कहा कि शीतला सिंह पत्रकारिता के इनसाइक्लोपीडिया थे। पूर्व मुख्यमंत्री से लेकर राष्ट्रीय स्तर के राजनेता तक समय–समय पर उनसे सलाह लेते थे। विदेशों से आने वाले पत्रकार भी अयोध्या और रामजन्मभूमि से जुड़े विषयों पर उनकी राय को अत्यंत महत्वपूर्ण मानते थे।

यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन

के मंडल लखनऊ अध्यक्ष शिवशरण सिंह ने कहा कि शीतला सिंह ने जनमोर्चा कोऑपरेटिव सोसायटी बनाकर पत्रकारों के सहयोग और संरक्षण का अनुकरणीय कार्य किया। कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया।

नावेद शिकोह ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि शीतला सिंह स्वयं पत्रकारिता का एक विश्वविद्यालय थे।

भारत सिंह ने कहा कि अयोध्या और आसपास के क्षेत्रों में छात्र जनमोर्चा की संपादकीय पढ़कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते थे।

वरिष्ठ पत्रकार अनिल त्रिपाठी ने उन्हें कलम का सिपाही बताते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन के बिना पत्रकारिता में सुधार संभव नहीं है। वरिष्ठ पत्रकार अजय कुमार ने कहा कि सहकारिता आधारित पत्रकारिता को नई दिशा देने में शीतला सिंह का योगदान अविस्मरणीय है।

वरिष्ठ पत्रकार सुरेश बहादुर सिंह ने कहा कि रामजन्मभूमि विषय पर शीतला सिंह की लेखनी अपने आप में एक विश्वसनीय दस्तावेज और ज्ञानकोश थी। उन्होंने जनमोर्चा के माध्यम से पत्रकारिता में वैचारिक क्रांति का कार्य किया।

पद्मश्री विद्या बिंदु सिंह ने कहा कि बचपन से ही जनमोर्चा की संपादकीय उन्हें प्रभावित करती रही है। वरिष्ठ पत्रकार भास्कर दुबे ने कहा कि गांव से निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने वालों में शीतला सिंह का नाम सदैव सम्मान से लिया जाएगा।

जनमोर्चा के संपादक राम कुमार ने कहा कि उन्होंने शीतला सिंह के नेतृत्व में पत्रकारिता के मूल संस्कार सीखे। जनमोर्चा की प्रधान संपादक सुमन गुप्ता ने बताया कि वर्ष 1958 में बाबा हरदेव सिंह और शीतला सिंह ने जनमोर्चा की स्थापना की थी और आज यह संस्थान अपने 68 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूरी कर चुका है।

कार्यक्रम में बाबा हरदेव सिंह, डॉ. कौशिक, पूर्व विधान परिषद सदस्य दीपक सिंह , आईएफडब्लूजे के राष्ट्रीय सचिव विश्वदेवराव , अनिल पांडे सहित अनेक वरिष्ठ पत्रकारों और बुद्धिजीवियों ने भी अपने विचार व्यक्त किया । कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार शिव विजय सिंह, पवन सिंह ,अनिल कुमार सैनी , टी एन शर्मा , अविनाश शुक्ला नितिन श्रीवास्तव सहित प्रदेश के अनेक वरिष्ठ पत्रकारों, संपादकों, साहित्यकारों और बुद्धिजीवियों ने सहभागिता कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। संचालन प्रेमकांत तिवारी ने किया। कार्यक्रम में सैकड़ों पत्रकार बुद्धिजीवी लोग मौजूद थे।

स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा के प्रथम दिन कुल 18,234 परीक्षार्थी उपस्थित रहे

माँ विन्ध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मीरजापुर के अंतर्गत तीन जनपदों में स्थापित कुल 99 परीक्षा केंद्रों पर स्नातक द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षाएँ आज से सुव्यवस्थित, शांतिपूर्ण एवं नकलविहीन वातावरण में प्रारम्भ हो गई हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। परीक्षा संचालन सीसीटीवी कैमरों की

निगरानी में किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनी रहे। दोनों पालियों में कुल 19,538 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें 1,304 परीक्षार्थी अनुपस्थित पाए गए।

इसी क्रम में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने प्रातःकालीन परीक्षा के दौरान जी.डी. बिनानी कॉलेज, विंध्यवासिनी महाविद्यालय, भरुहना, के.बी.पी.जी. कॉलेज तथा कमला आर्यकन्या पी.जी. कॉलेज का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परीक्षा कक्षों, सुरक्षा व्यवस्था एवं सीसीटीवी प्रणाली का गहन अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं केंद्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए।

इसके अतिरिक्त सायं सत्र में बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर की परीक्षा के दौरान राम ललित महाविद्यालय, कैलहट एवं राजदीप महाविद्यालय, कैलहट का भी औचक निरीक्षण किया गया, जहाँ परीक्षा व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।

कुलपति महोदया ने सभी अधिकारियों एवं केंद्राध्यक्षों को निर्देशित किया कि परीक्षाएँ पूर्णतः नकलविहीन, छात्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सम्पन्न कराई जाएँ तथा सभी परीक्षा केंद्रों पर पेयजल एवं विद्युत आपूर्ति की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गरिमा एवं विश्वसनीयता बनी रहे।

क्षत्रिय समाज से सामूहिक एकता लाने का आह्वान

जौनपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा राष्ट्र गौरव महाराणा प्रताप जयंती और सम्राट पृथ्वीराज चौहान जयंती मनाएगी। यह आयोजन रविवार को सिद्धिकपुर के एक स्कूल मैदान में प्रतिभा सम्मान समारोह के रूप में होगा। उत्तर प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।उनके साथ विधायक अभय सिंह और विधायक राकेश सिंह सहित अन्य क्षत्रिय विधायक भी उपस्थित रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सांसद कुँवर हरिबंश सिंह ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महापुरुषों को याद करना और समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित करना है।उन्होंने क्षत्रिय समाज से सामूहिक एकता लाने का आह्वान किया। कुंवर हरिबंश सिंह ने जोर दिया कि यदि क्षत्रियों को अपने हक और अधिकार चाहिए तो उन्हें एकजुट होना होगा। उन्होंने सभी से रविवार को महापुरुषों को याद करने और उन्हें नमन करने की अपील की।पूर्व सांसद ने क्षत्रिय धर्म के लोगों की सहन शक्ति पर भी विचार व्यक्त किए और सच सुनने व बोलने की आदत डालने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश में कोई भी पार्टी क्षत्रियों और अगड़े समाज की अनदेखी कर सत्ता में नहीं आ सकती। उन्होंने मत विभाजन को रोकने और संगठित होकर समाज को शासन–सत्ता में एक स्थान दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया।

यौन शोषण और मानव तस्करी में पांच पर केस

जौनपुर । खुटहन थाना क्षेत्र में एक 14 वर्षीय किशोर के यौन शोषण और मानव तस्करी के मामले में बड़ा मोड़ आया है। अपर सत्र न्यायाधीश उमेश कुमार द्वितीय के आदेश पर एक युवती सहित पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। इन पर संगठित हनी ट्रैप और ब्लैकमेलिंग गिरोह चलाने का आरोप है।यह कार्रवाई तब हुई जब पुलिस द्वारा सुनवाई न करने के बाद किशोर की मां ने अधिवक्ता विवेक रंजन तिवारी के माध्यम से कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया था कि आरोपी एक संगठित गिरोह बनाकर भोले–भाले युवकों को प्रेम जाल में फंसाते हैं।गिरोह का उद्देश्य उनसे धन उगाही करना और झूठे दुराचार के मुकदमों में फंसाने की धमकी देकर ब्लैकमेल करना है।

कब तक होगा परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़?

करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच–पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा।'नीट प्रश्नपत्र लीक' मामले में गिरफ्तारियों की धरपकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मौहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं वह बडेद्द–बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा? करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच–पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। ऐसा इस बार नहीं, पिछले तकरीबन सभी पेपर लीक कांड़ों में हुआ। नीट दाखिला परीक्षा है, भर्ती की पूरी की पूरी परीक्षा भारत में लीक होने लगी हैं। बावजूद इसके केंद्रीय हुकूमत कोई ऐसा उपाय नहीं कर पा रही जिससे परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ किया जाने वाला खिलवाड़ रूक सके।पिछले 7 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2026 मई तक, भारत में विभिन्न स्तरीय प्रतियोगी लगभग 70 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। आज तक किसी मामले की जांच न पूरी हुई और ना किसी मामले में न्याय हुआ। प्रत्येक मामलों में छोटे स्तर के कर्मचारी ही पकडेद्द गए जिन्हें कुछ महीनों बाद या एकाध वर्षों में जमानत मिल गई। सबसे पहले दाखिला परीक्षा कराने वाली एनटीए को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। एनटीए का कार्य इसलिए भी अब संतोषजनक नहीं, क्योंकि वह पुराने तौर–तरीकों को अभी भी अपनाती है।अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रतिष्ठित भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती। इंटरनेट–कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है।अगर ऐसा ही करना है तो प्रशपत्रों के सेट बदले हुए और अलग–अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हो। अगर खुदा ना खास्ता कुछ हो भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा करवाई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो? अगर ऐसे आध्ुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षार्थियों के साथ खिलवाड़ न होता।केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भी अच्छे से जानती हैं कि भारत में आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लीक होता है जिसमें पुलिस भर्ती और शिक्षा परीक्षाएं कुख्यात हैं। जबकि, नीट परीक्षा नौकरी या भर्ती की परीक्षा नहीं होती, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी सेंध्मारी, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपर लीक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र–निष्पक्ष जांच हुई होती और आरोपियों के नाम

सार्वजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उम्रकैद या मोटा हर्जाना वसूला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते? लेकिन लचीला कानून–प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा–जुर्माने से आरोपी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं दूसरे की तैयारी में लगे होते हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लीक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक। एनटीए का गठन 2017 में हुआ, तब से लेकर आज तक इस संस्था की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में रही। 5 मई 2024 को भी जब इसी नीट परीक्षा में गडबड़झाला हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब संस्था ने भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न करने का आश्वासन न सिर्फ अदालत को दिया था बल्कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी भरोषा दिया था? पर, बेशर्मी देखिए मात्र 24 महीनों बाद भी उससे पहले से भी बड़ा कांड़ कर दिया। पिछली दफा इन्होंने कई छात्रों को पूरे–पूरे 720 नंबर दे डाले थे,जबकि वो सभी छात्र पढ़ने में सामान्य थे उनके मुकाबले टॉपरों को उनसे कहीं कम नंबर दिए गए थे। इस बार तो उससे भी बड़ा ब्लंडर हुआ। पेपर लीक की सूचना सबसे पहले राजस्थान से बाहर निकली। जहां, कई छात्रों के पास 140 से अधिक परीक्षा के मूल प्रश्नों से हूबहू प्रश्न गेस पेपरों में मिले। लीक प्रश्नों पर सबसे पहले एनटीए की ओर से सफाई दी गई कि प्रश्न प्रिटिंग प्रेस से लीक हुए। जबकि, सभी जानते हैं कि जहां पेपरों की छपाई होती है जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। बेहद गुप्त स्थान होता है और वहां के कर्मचारियों को फोन तक रखने की इजाजत नहीं होती। ऐसे में प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नों के लीक होने का सवाल ही नहीं उठता। इस कांड में पूरा का पूरा सिंडिकेट शामिल होता है।

सम्पादकीय

बच्चों में आनलाइन गेमिंग की लत

एक बड़ी समस्या बच्चों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ी लत है। इसे कैसे नियंत्रित और अनुशासित किया जाए, इस चुनौती का सामना तमाम समाजों को करना पड़ रहा है। भारत में क्या किया जाए, यह महत्त्वपूर्ण सवाल है।

ऑनलाइन गेमिंग को विनियमित करने का कानून पारित करने के लगभग एक साल बाद केंद्र ने इस पर अमल के नियम तय किए हैं। स्पष्टतरू इनमें गेमिंग के हानिकारक असर और तकनीकी प्रगति के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया गया है। कहा जा सकता है कि इस कोशिश में सरकार काफी हद तक सफल है। ऑनलाइन गेमिंग प्रोत्साहन एवं विनियमन कानून मुख्य रूप से ऑनलाइन जुए को रोकने के लिए बनाया गया था। गेम के नाम पर तब सट्टेबाजी का ध्ंधा इतने बड़े पैमाने पर फैलाया गया कि परिवारों के बर्बाद होने की खबरें आम हो गई थीं। इसका चस्का लगाने के लिए खास कर क्रिकेट मैचों को जरिया बनाया गया।इसीलिए जब सरकार ने उस पर रोक लगाई, तो समाज के विवेकशील तबकों ने राहत महसूस की। ये अच्छी बात है कि उद्योग जगत की भारी लॉबिंग के बावजूद सरकार अपने इरादे पर अडिग रही है। तय नियमों के तहत जिन गेम्स में पैसे का लेन–देन होता है, उन पर रोक लगी रहेगी। इनमें पोकर, रमी, फैंटेसी स्पोर्ट्स और दांव लगाने से संबंधित गेम शामिल हैं। बाकी ई–स्पोर्ट्स को वैध प्रतिस्पर्धा माना गया है। ऐसे गेम्स को डेवलप करने और संचालित करने पर सामान्यतरू कोई रोक नहीं होगी। अगर किसी मामले में सरकार को लगता है कि उस गेम के हानिकारक प्रभाव हो रहे हैं, तो उस पर जरूर रोक लगाई जा सकेगी।इन पर निगरानी के लिए सूचना तकनीक मंत्रालय के तहत एक ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण बनाया जाएगा। ये सारे नियम सही दिशा में हैं। लेकिन इन नियमों के दायरे से बाहर रह गई एक बड़ी समस्या बच्चों और किशोरों में ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ी लत है। इसे कैसे नियंत्रित और अनुशासित किया जाए, इस चुनौती का सामना तमाम समाजों को करना पड़ रहा है। कुछ देशों में इसकी वैधानिक व्यवस्था की गई है, जिसमें इस रुझान को अनुशासित करने का दायित्व संचालक कंपनियों पर डाला गया है। भारत में इस दिशा में क्या किया जाए, यह महत्त्वपूर्ण सवाल है। लगे हाथ सरकार को इस बारे में भी चर्चा छेड़नी चाहिए थी। बहरहाल, अभी भी देर नही हुई है।

देश की मेडिकल प्रवेश परीक्षा के पेपर लीक, प्रतिभा पर गिद्धों का डेरा।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की नीट परीक्षा (नेशनल एंट्रेंस एलिजिबिलिटी टेस्ट) का पेपर लीक होने के कारण परीक्षा रद्द करदी गई है।यह नीट परीक्षा देश भर के 22 लाख परीक्षार्थियों ने 3 मई को देश भर के 1500 से अधिक केंद्रों पर दी थी।इस मामले से यह साबित हो गया है कि देश में प्रतिभा पर गिद्धों का डेरा है।अबकी बार इन गिद्धों रूपी मांगीलाल और दिनेश रीयल सेक्टर के जयपुर के कारोबार से जुड़े ने नासिक एक बेहद प्रतिष्ठित प्रेस से पूरा पेपर 30 लाख में खरीदा और उसे सबसे पहले अपने पुत्र को सीकर में उपलब्ध करवाया। उसके बाद जयपुर से महाराष्ट्र, गोवा, ओडिशा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, असम, पश्चिमी बंगाल, तमिलनाडु, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना,में विभिन्न ठिकानों पर लाखों रुपए में बेच कर लगभग 10 करोड़ रुपए वसूल किए। ये पेपर 26,27 अप्रैल को खरीदा गया। चुकी सॉफ्ट कॉपी में था इसलिए एक दिन में ही पूरे भारत में सर्कुलेट हो गया था। सबसे पहले जयपुर में पुलिस को एक गैस पेपर मिला जो 420 प्रश्न का था उसमें केमिस्ट्री के 120 प्रश्न हू ब हु ओरिजनल पेपर में थे ।एक कोचिंग यह जारी किया था तब पुलिस का माथा ठनका तो मालूम हुआ कि पूरा पेपर ही कई विद्यार्थी पर था ।इस पर केंद्रीय मंत्री शिक्षा धर्मेंद्र प्रधान ने संज्ञान लिया और जांच कराई तो पाया कि पूरे देश में व्हाट्सएप के जरिए फेल गया ।कई लोगों ने पच्चीस हजार में खरीदा। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने सीबीआई की रिपोर्ट पर परीक्षा रद्द कर दी। सीबीआई अभी जांच कर रही है बताया जाता है कि पूरे देश में 100 से अधिक लोग गिरफ्तार कर लिए गए हैं।यह दूसरा मौका जब एनटीए की नीट परीक्षा पर प्रश्न लगरहे हैं इससे पूर्व 2024 की परीक्षा पर भी सवाल उठे थे।दरअसल देश में एक तबका ऐसा है कि उसे अपने बच्चों डॉक्टर बनाना है क्योंकि मेडिकल डॉक्टर की आय का कोई ठिकाना नहीं है।देश में कुल निजी और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एक लाख सीट है और 22 लाख परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी।यानि कड़ी प्रतियोगिता है।इस लिए लोग गलत रास्ते अपनाते हैं । दिनेश और मांगीलाल के घर चार बच्चों को ,2024, में प्रवेश मिला है।मेडिकल प्रवेश परीक्षा पर हमेशा से ही गिद्धों की नजर रही है।इन गिद्धों में दलाल, राजनेता,नौकरशाह शामिल रहे हैं।

अमेरिका और चीन की बढ़ती संवाद-प्रक्रिया के रणनीतिक साइड इफेक्ट्स को यूँ समझिए

अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक शक्तियाँ हैं। इनके संबंध्ां का असर लगभग हर देश पर पड़ता है। ऐसे में यदि दोनों के बीच व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और कूटनीति पर समझ बढ़ती है, तो वैश्विक तनाव कुछ हद तक कम हो सकता है। साथ ही दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर लाजिमी है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हाल में ही बढ़ती संवाद–प्रक्रिया और संभावित रणनीतिक समझौते को दुनिया बेहद गंभीरता से देख रही है, क्योंकि बदलती वैश्विक दुनियादारी और नवमहत्वाकांक्षी देशों–गुटों की मतलबी कूटनीति–अर्थनीति से अमेरिका–चीन दोनों की अंतरराष्ट्रीय बादशाहत खतरे में है। आखिर जब एक तरफ रूस और भारत अपनी दशकों पुरानी मित्रता पर अडिग हैं, तो दूसरी तरफ अमेरिका और यूरोप भी अपने पुराने सम्बन्धों को तरोताजा कर रहे हैं, जो कि अमेरिकी डीप स्टेट की बिल्कुल

नई विसात है।देखा जा रहा है कि भारत की चतुराई और रूस की दृढ़ता से अमेरिका अपने ही बुने हुए जाल में फंसकर तड़फड़ा रहा है। वहीं, रूस–चीन की समझदारी से पश्चिमी एशिया में जो अमेरिका की फजीहत हुई है, उसके बाद अब चीन के समक्ष हथियार डालने के अलावा उसके पास कोई चारा भी नहीं बचा है। चूंकि ट्रंप मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के फार्मूले पर काम कर रहा हैं और रूस, भारत, फ्रांस, ब्राजील, जापान ने उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिए हैं, ऐसे में पाकिस्तान को साधकर अरब में अपनी इज्जत बचाना और चीन के दरबार में हाजिरी लगाने के अलावा उनके पास कोई चारा भी नहीं बचा हुआ था।ऐसे में यदि अमेरिका और चीन के बीच टकराव कुछ कम होता है और "नई दोस्ती" या व्यावहारिक सहयोग बढ़ता है, तो इसके वैश्विक राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक प्रभाव दूरगामी हो सकते हैं। चूंकि दोनों देश पहले भी एक दूसरे के करीब रहे हैं, इसलिए उनके बीच कूटनीतिक प्रेम की पहल अमेरिकी की भूल सुधार रणनीति समझी जानी चाहिए और अपने उद्देश्य में ट्रंफ सफल प्रतीत हो चुके हैं। हालांकि यह भविष्य के गर्त में है कि चीनी चाकरी अमेरिका कहाँ तक कर पाएगा?रु समझिए,अमेरिका–चीन रिश्तों में नरमी क्यों महत्वपूर्ण है?अमेरिका और चीन दुनिया की दो सबसे बड़ी आर्थिक और सामरिक शक्तियाँ हैं। इनके संबंध्ां का असर लगभग हर देश पर पड़ता है। ऐसे में यदि दोनों के बीच व्यापार, तकनीक, सुरक्षा और कूटनीति पर समझ बढ़ती है, तो वैश्विक तनाव कुछ हद तक कम हो सकता है। साथ ही दुनिया की अर्थव्यवस्था पर भी इसका असर लाजिमी है।पहला, वैश्विक बाजारों में स्थिरतारू अमेरिका–चीन व्यापार युद्ध कम होने पर शेयर बाजारों और निवेशकों का भरोसा बढ़ सकता है। सप्लाई चेन संकट कम हो सकता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्र को राहत मिल सकती है।दूसरा, तेल और ऊर्जा बाजाररू यदि दोनों देश सहयोग करते हैं, तो वैश्विक ऊर्जा कीमतों में अनिश्चितता कम हो सकती है। मध्य पूर्व में तनाव कम कराने के लिए संयुक्त दबाव बन सकता है।

तीसरा, डॉलर बनाम युआनरू चीन लंबे समय से डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को चुनौती देना चाहता है। ऐसे में अगर रिश्ते सुधरते हैं, तो अमेरिका कुछ आर्थिक संतुलन के साथ चीन को सीमित छूट दे सकता है, लेकिन डॉलर की केंद्रीय भूमिका तुरंत कमजोर नहीं होगी।चतुर्थ, रूस, यूरोप और भारत पर प्रभावरू जहां तक रूस की बात है कि रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के लिए यह स्थिति मिश्रित हो सकती है। यदि अमेरिका और चीन करीब आते हैं, तो रूस की सामरिक उपयोगिता कुछ घट सकती है। लेकिन चीन रूस को पूरी तरह छोड़ने की स्थिति में नहीं होगा, क्योंकि उसे ऊर्जा और सैन्य संतुलन की जरूरत है।वहीं, जहां तक यूरोप की बात है तो यूरोपीय देश राहत महसूस करेंगे क्योंकि अमेरिका–चीन तनाव से वैश्विक व्यापार प्रभावित हो रहा था। लेकिन यूरोप को डर रहेगा कि कहीं अमेरिका चीन के साथ सौदेबाजी में यूरोपीय हितों को पीछे न छोड़ दे।

चिंतन शिविर साझा दृष्टिकोण के जरिए भारत में खेलों के भविष्य को दिशा देना

पुलेला गोपीचंद

दो चिंतन शिविरों का हिस्सा बनने का अवसर प्राप्त करने के बाद, मैं भरोसे के साथ कह ??सकता हूँ कि यह आज भारतीय खेल जगत की सबसे सामयिक और असरदार पहलों में से एक है। हम अपने राष्ट्र की खेल यात्रा के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं, एक ऐसा मोड़ जहाँ इरादा, निवेश और प्रेरणा अभूतपूर्व रूप से एक साथ मिल रहे हैं।

पिछले एक दशक में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, भारत में खेल हाशिये से मुख्यधारा में आ गया है। इसके महत्व के प्रति भी साफ तौर पर राष्ट्रीय जागरूकता देखी जा सकती है, न केवल एक प्रतिस्पर्धी गतिविधि के रूप में, बल्कि स्वास्थ्य, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव के साधन के रूप में भी। आज, हम एक विशाल और विविध तंत्र देख रहे हैं, जहां राज्य सरकारें, गैर–सरकारी संगठन, निगम, संघ और जमीनी स्तर के संस्थान सभी मिलकर खेलों के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दे रहे हैं।चिंतन शिविर की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह सभी हितधारकों को एक साझा मंच पर लाता है। खेल अपने आप में कई क्षेत्रों से जुड़ा हुआ है, जिनमें विनिर्माण, मनोरंजन, फिटनेस, मीडिया और शिक्षा शामिल हैं। यह शिविर इन सभी क्षेत्रों को एक साथ लाने में मदद करता है, जिससे एक साझा दृष्टिकोण बनता है, जो दीर्घकालिक सफलता के लिए बेहद जरुरी है। यह देश के सामूहिक दृष्टिकोण को सामने लाता है और साथ ही विभिन्न राज्यों की सर्वोत्तम प्रथाओं को प्रदर्शित करता है, जिससे अनुकरण और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलता है।

चिंतन शिविर महज एक सम्मेलन से कहीं बढ़कर, एक शिक्षण तंत्र है। यह इसमें शामिल होने वाले लोगों को विचारों का आदान–प्रदान करने, चुनौतियों को समझने और मिलकर समाधान विकसित करने का अवसर देता है। यह एक शक्तिशाली प्रेरक के रूप में भी काम करता है, सफलता की तमाम कहानियों को सामने लाता है और इस विचार को और पुख्ता करता है कि भारत में खेल महज विशिष्ट पदकों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें भागीदारी, समावेशिता और राष्ट्र निर्माण भी शामिल है।

फिट इंडिया मूवमेंट जैसी पहल, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन और साइक्लिंग प्रतियोगिताओं जैसी सामुदायिक गतिविधियों ने खेल के प्रति हमारे नजरिए को नया रूप दिया है। आज के वक्त में जोर ष्सभी के लिए खेलष् के साथ–साथ, उच्चतम स्तर पर उत्कृष्टता पर है। पदक जीतने की आकांक्षाएं और व्यापक भागीदारी अब अलग–अलग मुद्दे नहीं हैं, बल्कि वे एक ही प्रक्रिया का हिस्सा हैं।

श्रीनगर में शिविर का आयोजन करने से इसका महत्व और भी बढ़ गया है। इस शहर की शांत सुंदरता न केवल खेलों की विचारधारा के लिए एक मनोरम पृष्ठभूमि प्रदान करती है, बल्कि शांत चिंतन का भाव भी देती है, जो सार्थक संवाद के लिए बेहद जरुरी है।

इस चिंतन शिविर का एक अहम केंद्र बिंदु श्रीनगर खेल संकल्प को अपनाना था। यह संकल्प महज एक आशय का दस्तावेज नहीं, बल्कि यह एक एकीकृत ढांचा है, जो भारतीय खेल जगत के सभी हितधारकों की आकांक्षाओं को एक साथ बांधता है। साझा लक्ष्यों, प्राथमिकताओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से रेखांकित करके, यह एक ऐसा रोडमैप तैयार करता है, जो विखंडन के बजाय सहयोग को प्रोत्साहित करता है।

श्रीनगर खेल संकल्प की असली ताकत विभिन्न भागीदारोंकृसरकारों, संघों, निजी क्षेत्र और नागरिक समाज को एक मंच पर लाने की क्षमता में निहित है। यह इस विचारधारा को और पुख्ता करता है कि भारत के खेल जगत का उत्थान अलग–थलग प्रयासों से नहीं हो सकता। इसके बजाय, इसे एक समन्वित, सहयोगात्मक दृष्टिकोण से संचालित किया जाना चाहिए, जहां संसाध्नों, ज्ञान और विशेषज्ञता को एक साथ लाया जाए।भारत को 2036 तक ओलंपिक खेलों में शीर्ष 10 देशों में शामिल होने की अपनी दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए यह समन्वय बेहद महत्वपूर्ण है। विश्व स्तरीय एथलीट तैयार करने के लिए न केवल प्रतिभा की जरुरत होती है, बल्कि एक सुचारू तंत्र की भी आवश्यकता होती है, जिसमें जमीनी स्तर पर पहचान, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, बुनियादी ढांचा, उत्कृष्ट कोचिंग, प्रतिस्पर्धा का अनुभव और निरंतर वित्तीय एवं संस्थागत समर्थन शामिल हैं। संकल्प वही रणनीतिक कड़ी है, जो इन सभी तत्वों को एक सुसंगत प्रणाली में जोड़ सकता है। इन वार्ताओं से जो बात सबसे अधिक उभरकर सामने आई है, वह है इस व्यवस्था में मौजूद आशावाद। सभी का यह मानना ??है कि भारत का खेल भविष्य उज्ज्वल है और सहयोग से हम एक सशक्त, समावेशी और उच्च प्रदर्शन वाली खेल संस्कृति का निर्माण कर सकते हैं। चिंतन शिविर कई मायनों में एक अनूठा प्रयोग है, लेकिन यह पहले से ही सफल साबित हो रहा है। यह संवाद, समन्वय और आपसी समझ के महत्व को दर्शाता है। भारत जैसे विविध्तापूर्ण देश के लिए, ऐसे मंच न केवल लाभकारी हैं, बल्कि आवश्यक भी हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि–
मेष राशि वालों के लिए आज का दिन उत्साहवर्धक रहेगा है। आपके व्यापार में पहले से सुधार आयेगा, जिससे आपको आपका मानसिक सुकून मिलेगा।

वृषभ राशि–
वृषभ राशि वालों आज आपका दिन आपके परिवार के लिए खुशियां लाने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद खास रहने वाला है।

मिथुन राशि–
मिथुन राशि वालों आज आपका दिन इनोवेटिव रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू काम काज में लगेगा।

कर्क राशि–
कर्क राशि वालों आज आपका दिन की शुरुआत अच्छे मूड से होगी। किसी रुके काम को पूरा करने का आज सही समय है। सिविल इंजीनियर्स के लिए दिन बहुत बेहतरीन रहेगा।

सिंह राशि–
सिंह राशि वालों आज आपका दिन शांत पूर्ण रहेगा। आज आपकी मुलाकात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप जीवन में कुछ अनोखी सीख मिलेगी।

कन्या राशि–
कन्या वालों आज आपका दिन नई उम्मीदों के साथ शुरू होने वाला है। आज आपकी सूझ–बूझ से अपने लक्ष्य के करीब बढ़ रहे हैं। पशुओं की सेवा करने का अवसर मिलेगा।

तुला राशि–
तुला राशि वालों के लिए आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी बड़ी कंपनी से आपके लिए जॉब का ऑफर आ सकता है।

वृश्चिक राशि–
वृश्चिक राशि वालों आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी जरूरी काम से बाहर जा सकते हैं, अपना जरूरी सामान रखना न भूलें।

धनु राशि–
धनु राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहेगा। वर्क–फील्ड में आज आपको सहयोगियों से मदद मिलेगी। घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स आज माता–पिता से मिल सकते हैं।

मकर राशि
मकर राशि वालों आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी।

कुंभ राशि–
कुंभ राशि वालों आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे।

मीन राशि–
मीन राशि वालों आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। आज परिवार से खुशखबरी मिलेगी। ईश्वर की कृपा से आज आपके सभी काम सफल होंगे। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

साहब? कहा गए बीते वर्ष में लगे 39 लाख पौधे?

कुशीनगर, (आरएनएस)। जनपद में वृक्षारोपण महाभियान–2025, सरकारी उपलब्धि कम और गंभीर सवालों का विषय ज्यादा बन गया है। करोड़ों रुपये खर्च कर जनपदवासियों को हरियाली का जो सपना सरकारी फाइलों में दिखाया गया है। उसकी जमीनी हकीकत बिल्कुल इतर है। जिसकी पोल खुद सरकारी बैठकों में खुलने लगी है। ऐसे मे विभाग और जिले के डीएफओ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वभाविक हैं। बताते चलें कि बीते दिनो सरकारी समीक्षा बैठक में दावा किया गया कि 9 जुलाई 2025 को जनपद में एक ही दिन में 39 लाख 72 हजार 500 पौध रोपण किए गए। इनमें से वन विभाग द्वारा अकेले 10 लाख 49 हजार 600 पौधे लगाने की बात कही गई। जबकि अन्य 23 विभागों ने मिलकर 29 लाख 22 हजार 900 पौधों का रोपण किया। इतना विशाल आंकड़ा सुनने में किसी रिकॉर्ड से कम नहीं लगता लेकिन अब यही आंकड़ा विभागीय दावों की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा कर रहा है। क्योंकि जिस अभियान को ऐतिहासिक बताया जा रहा है। उसी अभियान की जियो टैगिंग तक पूरी नहीं हो सकी है। बैठक में साफ तौर पर सामने आया कि राजस्व विभाग पौधों की जियो टैगिंग का कार्य अब तक पूरा नहीं कर पाया है। इस पर मुख्य विकास अधिकारी को खुद निर्देश देना पड़ा कि 18 मई 2026 तक जियो टैगिंग शत–प्रतिशत पूरी कराई जाए। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब पौधों की लोकेशन तक तय नहीं है, तो उनकी जीवितता का दावा किस आधार पर किया जा रहा है? वन विभाग के दावों पर उठे रहे सवाल–– पूरा वृक्षारोपण अभियान वन विभाग की अगुवाई में चला। ऐसे में इसकी जवाबदेही सीधे डीएफओ पर आकर टिकती है। सवाल यह है कि क्या इतने बड़े स्तर पर लगाए गए पौधों की नियमित निगरानी हुई? क्या पौधों की सुरक्षा के लिए कोई स्थायी व्यवस्था बनाई गई है ?कितने पौधे आज भी जीवित हैं? कितने पौधे सिर्फ फाइलों और पोर्टल पर जिंदा हैं? सूत्रों की मानें तो कई स्थानों पर पौधारोपण सिर्फ खानापूर्ति बनकर रह गया। बरसात में गड्ढे खोदे गए, पौधे लगाए गए, फोटो खिंची गयी और फाइल बंद हो गई। कुछ दिनों बाद अधिकांश पौधे सूख गए, लेकिन सरकारी आंकड़ों मेंह रियाली शो बन कर रह गया है पौधारोपण अभियान–– जनपद में हर साल पौधारोपण अभियान को बड़े आयोजन की तरह पेश किया जाता है। मंत्री, अधिकारी, जनप्रतिनिधि फोटो खिंचवाते है। सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली जाती हैं और प्रेस नोट जारी होते हैं। लेकिन कुछ महीने बाद उन्हीं स्थानों पर सूखे पौधे, खाली ट्री गार्ड और उजड़ी जमीन दिखाई देती है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि पौधों की देखरेख के नाम पर सिर्फ कागजी खानापूर्ति और बजट खर्च होती है। कई जगह तो रोपित पौधों का नामोनिशान तक नहीं बचा है। इसके बावजूद विभागीय रिपोर्टों में उन्हें सुरक्षित और जीवित बताया जाता रहा है।

इनसेट–– अभियान की पारदर्शिता पर सवाल उठना स्वाभाविक–– जानकार बताते है कि जियो टैगिंग किसी भी पौधारोपण अभियान की सबसे अहम प्रक्रिया मानी जाती है। इसी से यह साबित होता है कि पौधा वास्तव में कहां लगाया गया और उसकी स्थिति क्या है। लेकिन जब खुद सरकारी बैठक में यह सामने आ गया कि जियो टैगिंग अधूरी है, तो पूरे अभियान की पारदर्शिता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

अब चर्चा इस बात की भी होने लगी है कि कहीं पौधारोपण के नाम पर सिर्फ सरकारी लक्ष्य पूरा करने और बजट खर्च दिखाने का खेल तो नहीं हुआ? करोड़ों खर्च, जवाबदेही शून्य–– वृक्षारोपण अभियान में हर साल करोड़ों रुपये खर्च होते हैं। पौधों की खरीद, गड्ढों की खुदाई, मजदूरी, सिंचाई, सुरक्षा, जियो टैगिंग और निगरानी हर स्तर पर बजट जारी होता है। लेकिन अगर इतने बड़े अभियान के बाद भी पौधों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट नहीं है, तो यह सीधे–सीधे प्रशासनिक विफलता मानी जाएगी। सबसे गंभीर सवाल यह है कि क्या कभी किसी अधिकारी ने यह जांचने की कोशिश की कि जिन पौधों को रिकॉर्ड दर्ज या फिर पोर्टल पर अपलोड है, वह वास्तव में जमीन पर मौजूद भी हैं या नहीं? । आम लोगो पर सख्ती, बड़े खेल पर चुप्पी––वन विभाग की कार्यशैली को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि कोई गरीब व्यक्ति सूखी लकड़ी काट ले तो विभाग तुरंत कार्रवाई करता है, लेकिन लाखों पौधों के गायब होने और वन भूमि पर कब्जों के मामलों में विभाग की सक्रियता सूरदास की बन जाती है इनसेट–– वृक्षारोपण की निष्पक्ष जांच–– अब तक पांच वर्षो मे हुए पौधरोपण की बात को दरकिनार कर वृक्षारोपण महाभियान– 2025 के आंकड़े पर ही नजर दौड़ायें तो खुद वन विभाग सवालो के घेरे मे है।

तालाब में डूबने से दो सगी बहनों की मौत

–घर से 100 मीटर दूर स्थित तालाब में नहाने गई थी दो बहने

अयोध्या। थाना खण्डासा क्षेत्र अंतर्गत डूंड़ी अमानीगंज गांव में शुक्रवार को दो सगी बहनों की तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी बब्लू रैदास की पुत्रियां नैनी (5 वर्ष) और सुनैनी (8 वर्ष) दोपहर करीब 12 बजे घर से लगभग 100 मीटर दूर स्थित पांडे तारा तालाब में नहाने गई थीं। नहाने के दौरान दोनों बच्चियां गहरे पानी में चली गईं और डूबने लगीं। बताया गया कि बड़ी बहन ने बचाने के लिए शोर मचाया, जिसकी आवाज सुनकर आसपास मौजूद एक युवक तुरंत तालाब में कूद पड़ा। किसी तरह दोनों बच्चियों को बाहर निकाला गया। तब तक गांव के काफी लोग भी मौके पर पहुंच चुके थे। अचेत अवस्था में दोनों बच्चियों को परिजन तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खण्डासा लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। मासूम बच्चियों की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। गांव में मातम पसरा हुआ है घटना की सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक खण्डासा सुरेंद्र कुमार सोनकर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने दोनों शवों का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्रीय विधायक चंद्रभानु पासवान भी गांव पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। विधायक ने कहा कि तहसील प्रशासन के माध्यम से जो भी अनुमन्य आर्थिक सहायता होगी, उसे जल्द उपलब्ध कराया जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार बब्लू रैदास मेहनत–मजदूरी कर अपने परिवार का पालन–पोषण करते हैं।

राम मंदिर दर्शन करने आई पांच वर्षीय बालिका के साथ युवक ने की अश्लीलता

अयोध्या। राम मंदिर दर्शन करने आई 5 साल की बच्ची के साथ अश्लील हरकत का मामला सामने आया है। बालिका दर्शन के बाद अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर माता–पिता के साथ सो रही थी। सोते समय एक युवक ने बालिका को उठाकर उसके साथ की अश्लील हरकत की है। युवक ने बालिका के होंठ और नाक पर दांत से काट लिया। परिजनों ने बालिका को आरोपी के चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद परिजनों ने जीआरपी से शिकायत की। तहरीर के आधार पर जीआरपी ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घटना 11 मई सुबह करीब 4 बजे की बताई जा रही है। बाल कल्याण समिति के समक्ष बालिका को पेश किया गया, जहां मनो सामाजिक परामर्शदाता ने पीड़िता की काउंसलिंग की है। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी ने बताया कि बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ने मामले की पैरवी के लिए सहायक की नियुक्ति कर दी है। फूलपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली एक महिला ने बताया कि 10 मई को वह अपने पति व पांच साल की बेटी के साथ राम मंदिर दर्शन करने आई थी। रात में वे रेलवे स्टेशन के ऊपर कॉनकोर्स पर सो रहे थे। 11 मई की भोर में करीब 3.40 बजे एक व्यक्ति उनकी बेटी को उठाकर सीढ़ी के नीचे ले आया। उनके पति आरोपी के पीछे गए तो देखा कि उसने उनकी बेटी पर गलत तरीके से हाथ फेरते हुए उसके होंठ व नाक पर दांत से काट लिया था। महिला ने बताया कि मैं भी पीछे से आई और बच्ची को आरोपी के चंगुल से छुड़ाया। बालिका को बृहस्पतिवार को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया गया। वहां मनो सामाजिक परामर्शदाता ने पीड़िता की काउंसिलिंग की। समिति के अध्यक्ष सर्वेश अवस्थी ने बताया कि पीड़िता के परिजन चेन्नई में रहते हैं। वह मामले की पैरवी में असमर्थता जता रहे थे। इसलिए उनके सहयोग के लिए सहायक व्यक्ति की नियुक्ति की गई है।

संदिग्धावस्था में फांसी पर झूलकर दी जान

लालगंज, मीरजापुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के घराघनपुर निवासी संग्राम पटेल 40 वर्ष अपने घर के समीप ही आम के पेड़ में घर के पास बीती रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर झूल गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई सुबह स्वजन देखें तो आम के पेड़ पर फांसी लगाकर झूले हुए हैं सूचना पर पहुंची पुलिस शव को पेड़ से उतरवाकर अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई। जानकारी के अनुसार संग्राम पटेल वर्ष पुत्र राजपाल पटेल निवासी घराघन

पुर संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर के पास ही आम के पेड़ में बीती रात फांसी लगाकर झूल गए सुबह स्वजन उठे तो देखे किफांसी लगाकर झूले हुए हैं सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस शव को पेड़ से उतरवाकर अपने कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई मृतक को तीन लड़के थे जिनका उम्र क्रमशः 14 वर्ष 12 वर्ष 10 वर्ष सबसे छोटा लड़का गूंगा है पत्नी घर पर खेती–बाड़ी का काम करती है स्वजन घटना को लेकर रो रो कर बुराहाल हो गया है।

कैंप लगाकर क्षय रोग के प्रति किया गया जागरूक

मीरजापुर। टीबी मुक्त भारत को सफल बनाने के लिए लालगंज ब्लॉक में टी बी की पहचान और समय से उपचार सुनिश्चित करने के लिए सौ दिवसीय सघन टीबी रोगी खोजी अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत इसी क्रम में शुक्रवार को विकास खण्ड लालगंज के बामी गांव में स्वास्थ्य विभाग लालगंज ने चौपाल लगाकर लोगों को क्षय रोग के बारे में जागरूक करते हुए शिविर लगाकर इस अभियान में हाई रिस्क गांवों में हैंड हेल्ड एक्स रे मशीन से स्क्रीनिंग कर मरीजों को पहचान कर निः शुल्क इलाज से जोड़ा जा रहा है शिविर में क्षेत्र के वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक शमीम अहमद ने कहा है कि हमने अपने ब्लॉक को टी बी फ्री ब्लॉक करने का संकल्प ले लिया है और सभी लोगों को लक्षण और उपचार और सरकारी लाभ के बारे में जानकारी दिया गया आशा प्रतिभा देवी और प्रधान उमेश कुमार और पूर्व प्रधान राकेश त्रिपाठी के सहयोग से गांव के लोगों को प्रेरित किया कुल 65 मरीजों का एक्स रे किया गया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के मेडिकल ऑफिसर ट्यूबर बनसवेपे डॉक्टर मनिंदर सिंह ने कहा कि टी बी एक संक्रामक बीमारी है लेकिन नियमित दवा और समय पर उपचार से पूरी तरह ठीक किया जा सकता है डॉक्टर कैलाश बिंद ने कहा है कि इस मानवीय कार्य को करने के लिए सभी लोग निश्चय मित्र बनकर हिस्सा लेने की आवश्यकता है। शिविर में शमीम अहमद वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक, सुजीत कुमार मिश्रा एक्स रे टेक्निशन, अजीत कुमार सिंह, आशा प्रतिभा देवी, बृजेश बिंद, सुजीत आदि लोग मौजूद रहे।

डीएम ने देवापुर (एनएच-35) से भटौली सेतु को जोड़ने के लिए बाईपास मार्ग के सम्बंध में बैठक कर की समीक्षा

मीरजापुर। जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद मीरजापुर में देवापुर (एनएच–35) से भटौली सेतु को जोड़ने के लिए मीरजापुर बाईपास मार्ग का निर्माण संबंधित भू–स्वामियों से आपसी समझौते के आधार पर भूमि क्रय करने हेतु उक्त मार्ग निर्माण में प्रभावित 7 गमो क्रमशः दुल्लहपुर, भुईली पाण्डेय, भुईली दूबे, माधोपुर, शिवमऊ, बैदौली खुर्द एवं जौसरा के किसानों के साथ भूमि क्रम के सम्बन्ध में सहमति हेतु बैठक की गयी। जिसमें उक्त ग्रामों के मार्ग निर्माण में प्रभावित किसानों द्वारा प्रतिभाग किया भाग किया गया जिलाधिकारी भूमि क्रय के सम्बंध में किसानों को हेक्टेयरवार मुआवजे के बारे में विस्तृत जानकारी दीघ जिस पर भूमि क्रय के सम्बन्ध में किसानों द्वारा सहमति भी दी गयी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अजय कुमार सिंह, भूमि अध्याप्ति अधिकारी गुलाब चन्द, अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड अशोक कुमार, लोक निर्माण विभाग, मीरजापुर एवं लोनिवि के विभिन्न सहायक अभियन्ता व अवर अभियन्तागण उपस्थित रहे।

जनता दर्शन में आई शिकायतों का हो रहा त्वरित निस्तारण

अयोध्या। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में जनपद में आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी द्वारा जारी आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराया जा रहा है। इसी क्रम में सभी विभागीय अधिकारी जनता दर्शन के माध्यम से आमजन की समस्याएं सुन रहे हैं तथा उनका यथा सम्भव संतुष्टिपरक निस्तारण भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में प्रतिदिन जिलाधिकारी के जनता दर्शन के दौरान प्राप्त शिकायतों में आवेदक राजमति पत्नी राम पटेश्वरी निवासी ग्राम दसौली पुराकलंदर सोहावल द्वारा आबादी में स्थित रास्ते को रोकने के संबंध में शिकायत की गयी थी, जिसके निस्तारण को उप जिलाधिकारी सोहावल को कार्यवाही हेतु जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया था। तत्क्रम में उप जिलाधिकारी सोहावल ने नायब तहसीलदार मसौधा मय पुलिस बल द्वारा प्रकरण की जांच करायी गयी। जांच के उपरान्त दोनों पक्षों की उपस्थिति में आवागमन हेतु रास्ता उभय पक्षों की आपसी सहमति से खुलवाया गया तथा मौके पर ग्राम प्रधान को निर्देशित किया गया कि रास्ते की नियमित साफ–सफाई सुनिश्चित की जायें। इसी प्रकार आवेदन जुनैद अंसारी निवासी फिरोजपुर उपरहार तहसील सोहावल अयोध्या ने इंटरलॉकिंग मार्ग निर्माण कराये जाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसके निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सोहावल एवं सी0ओ0 सदर को संयुक्त रूप के कार्यवाही करने के निर्देश दिये थे, उक्त पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आपसी सहमति के आधार पर इंटरलॉकिंग कार्य करते हुये शिकायत का निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया हैं कि जनता दर्शन में प्राप्त शिकायतों को लंबित रखना अथवा लापरवाही बरतना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। किसी भी स्तर पर शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए हैं कि किसी भी शिकायतकर्ता को खड़ा ना रखा जाए,सम्मानपूर्वक बैठा कर उनकी शिकायतें सुनीं जाए।

किसान करें खेतों की तैयारी, विशेषज्ञ ने दिए जरूरी सुझाव

मिल्कीपुर–अयोध्या। धान की खेती करने वाले किसानों के लिए नर्सरी डालने का समय नजदीक आ गया है। ऐसे में किसान खेतों की तैयारी और बीज चयन की प्रक्रिया में जुट गए हैं। तराई क्षेत्रों में धान की खेती करने वाले किसान विशेष रूप से नर्सरी तैयार करने की तैयारी कर रहे हैं। दीर्घकालीन धान की नर्सरी मई माह के अंतिम सप्ताह से शुरू हो जाती है, जबकि कई किसान 20 मई के आसपास ही इसकी तैयारियां शुरू कर देते हैं।आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज के कृषि वैज्ञानिक एवं एग्रोनॉमी विभाग के प्रोफेसर डॉ. एस.बी. सिंह ने किसानों को धान की नर्सरी तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण सलाह दी है। उन्होंने बताया कि किसानों को सबसे पहले अच्छे और गुणवत्तापूर्ण बीज का चयन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अल्पकालीन और दीर्घकालीन दोनों प्रकार की धान की प्रजातियां उपलब्ध हैं, लेकिन दीर्घकालीन धान की किस्मों में अपेक्षाकृत अधिक उत्पादन प्राप्त होता है। इसका मुख्य कारण प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया का अधिक प्रभावी होना है। डॉ. सिंह ने बताया कि धान के बीज को पहले पानी में 24 घंटे तक भिगोकर रखना चाहिए। इसके बाद बीज को पानी से निकालकर किसी छायादार स्थान पर रख देना चाहिए। जब बीज अंकुरित हो जाए, तभी उसकी नर्सरी डालनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नर्सरी तैयार करने के लिए खेत की अच्छी तरह तैयारी करना जरूरी है। खेत में पहले पानी भरकर उसे ठंडा कर लेना चाहिए और फिर ट्रैक्टर से जुताई कर खेत को समतल बनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि यदि 500 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में धान की नर्सरी तैयार करनी है तो उसमें लगभग 11 किलो यूरिया, अमोनियम सल्फेट अथवा 25 किलो सिंगल सुपर फास्फेट का प्रयोग करना चाहिए। इससे पौधों की शुरुआती वृद्धि बेहतर होती है और पौधे मजबूत बनते हैं। रोग प्रबंधन को लेकर उन्होंने किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि नर्सरी लगाने के लगभग 15 दिन बाद यदि झुलसा रोग के लक्षण दिखाई दें तो 5 किलो जिंक सल्फेट और 2.5 किलो चूना को 1000 लीटर पानी में घोलकर उसका छिड़काव करना चाहिए। इससे रोग नियंत्रण में मदद मिलती है। डॉ. सिंह ने बताया कि लगभग 25 से 30 दिन में धान की नर्सरी तैयार हो जाती है, जिसके बाद खेतों में उसकी रोपाई की जा सकती है।

रामकोट व कटरा में बन रही मैकेनाइज्ड स्मार्ट पार्किंग का डीएम ने किया निरीक्षण

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में श्री राम मंदिर के समीप स्थित रामकोट एवं कटरा क्षेत्र में निर्माणाधीन मैकेनाइज्ड स्मार्ट पार्किंग परियोजना का जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने स्थलीय निरीक्षण किया। लगभग 65 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जा रही इस अत्याधुनिक पार्किंग परियोजना में श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की सुविधा के लिए आधुनिक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की प्रगति का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परियोजना को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि श्री राम मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पार्किंग व्यवस्था को अत्याधुनिक तकनीक एवं स्मार्ट सुविधाओं से युक्त बनाया जाए। निर्माणाधीन स्मार्ट पार्किंग में कार पार्किंग, डॉरमेट्री, शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, पब्लिक टॉयलेट, सिक्योरिटी गार्ड रूम, सर्विस रूम, पंप रूम, फायर एवं डोमेस्टिक सुविधाओं के साथ कार्यालय संबंधी व्यवस्थाएं भी विकसित की जा रही हैं। यह परियोजना श्रद्धालुओं के लिए सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित पार्किंग सुविधा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी रेजिडेंसी श्री अरविंद कुमार एवं लोक निर्माण विभाग निर्माण खंड–2 के अधिशासी अभियंता सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

वामदलों ने मनरेगा मजदूरों के ग्रामीण हड़ताल का किया समर्थन

–अयोध्या। अखिल भारतीय मनरेगा मजदूरों ने ग्रामीण हड़ताल का आयोजन किया तथा गांवों में अपनी ग्रामसभा के ग्राम विकास अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन सौंपा। इसमें देश भर के मजदूर समर्थन और एकता के रूप में मनरेगा मजदूरों के साथ शामिल हुए। वामदलों ने भी इस हड़ताल के प्रति अपनी पूर्ण एकजुटता और समर्थन व्यक्त करते हुए विरोध प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को सम्बोधित ज्ञापन तहसील सदर स्थित उप जिलाधिकारी सदर के कार्यालय के सामने चस्पा किया। बड़े खेद के साथ कहना पड़ रहा है जनपद के जिम्मेदार अधिकारी जन समस्याओं के प्रति पूरी तरह उदासीन हैं। पूर्व सूचना के बावजूद कोई भी अधिकारी ज्ञापन लेने के लिए तहसील सदर पर उपस्थित नहीं था। लगभग दो घंटे प्रतीक्षा करने के बाद विवश होकर उप जिलाधिकारी के कार्यालय के सामने ज्ञापन चस्पा करना पड़ा। यह पहली बार नहीं था इसके पूर्व भी इसी तरह ज्ञापन सौंपने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा है। इसके लिए शीघ्र ही वामदलों का प्रतिनिधि मण्डल जिलाधिकारी से मिलेगा। ज्ञापन के माध्यम से वीबी ग्राम जी अधिनियम को वापस लेने और इसे अधिक सशक्त कर नये रूप में पुनः लागू करने, सशक्त मनरेगा के तहत 200 दिन का रोजगार तथा 700 रूपए प्रति दिन की मजदूरी देने, ग्रामसभाओं को सशक्त बनाकर उन्हें मनरेगा कार्यों और उनके क्रियान्वयन का प्रमुख भागीदार बनाए जाने, मजदूरों को काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता दिए जाने की गारंटी देने और 60 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर सभी मजदूरों को दस हजार रुपए पेंशन दिए जाने आदि की मांग की गई।

अवरुद्ध वेतन शिक्षकों का शीघ्र किया जाए बहाल

अयोध्या। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी व मंत्री डॉ चक्रवर्ती सिंह के नेतृत्व में बेसिक शिक्षा अधिकारी को शिक्षकों ने ज्ञापन सौंप कर समस्याओं के निराकरण की मांग की है शिक्षकों की प्रमुख समस्याओं में माननीय उच्च न्यायालय व शासनादेश के अनुरूप समायोजन ,जनगणना में लगे शिक्षकों को उपार्जित अवकाश कम छात्र संख्या के आधार पर शिक्षकों का अवरुद्ध किया गया वेतन बहाल किए जाने, विज्ञान गणित की भर्ती में आए नवनियुक्त शिक्षकों को शीघ्र सत्यापन करते हुए वेतन भुगतान करने, आई डी गायब होने से वेतन भुगतान जिन शिक्षकों का बाधित है उन्हें बहाल करने, 31 मार्च 2026 को सेवानिवृत हुए शिक्षकों के अवशेष देयक भुगतान व एनपीएस एरियर अभिलंब भुगतान को लेकर शिक्षकों ने ज्ञापन सोपा वहीं प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष नीलमणि त्रिपाठी ने कहा कि यदि समस्याओं का निराकरण शीघ्र नहीं किया जाता तो संगठन आंदोलन को बाध्य होगा जिसका संपूर्ण उत्तरदायित्व विभाग का होगा जिला मंत्री डॉक्टर चक्रवर्ती सिंह ने कहा कि शिक्षकों का प्रान नंबर 6 महीने से नहीं एलाट है जिस कारण से एनपीएस कटौती नहीं हो रही है एवं उनके लेखा कार्यालय स्तर पर लंबित है जिन्हें भुगतान किए जाने में भी शिथिलता बरती जा रही है

कृषि विवि में 18 डिप्लोमा कोर्सो के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू

अयोध्या। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में शिक्षण सत्र 2026–27 के 18 डिप्लोमा ६ सर्टिफिकेट कोर्स के लिए आवेदन के प्रक्रिया की शुरुआत हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. पी. एस. प्रमाणिक ने बताया कि इस कोर्स में प्रवेश लेने के लिए अभ्यर्थी ऑफलाइन आवेदन फार्म भर सकते हैं। 13 मई 2026 से आवेदन फार्म भरे जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 13 जून 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन फार्म विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी सूचना विवरणिका व आवेदन फार्म डाउनलोड कर सकते हैं। कृषि विश्वविद्यालय में वर्ष 2026–27 में कृषि पर्यटन प्रबंधन में स्नातकोत्तर में डिप्लोमा, जैविक कृषि में डिप्लोमा, मशरूम उत्पादन प्रौद्योगिकी में सर्टिफिकेट कोर्स, जैव उर्वरक उत्पादन में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम, मधुमक्खी पालन में सर्टिफिकेट कोर्स, पादप ऊतक संवर्धन में सर्टिफिकेट कोर्स, बागवानी में डिप्लोमा, वानिकी में डिप्लोमा, पशु चिकित्सा फार्मेसी में डिप्लोमा, पशुधन विस्तार में डिप्लोमा, मत्स्य विज्ञान में डिप्लोमा, खाद्य पोषण और आहार विज्ञान में डिप्लोमा, परिधान निर्माण में डिप्लोमा, इवेंट मैनेजमेंट में सर्टिफिकेट कोर्स, बेकरी और कन्फेक्शनरी में सर्टिफिकेट कोर्स, कृषि इंजीनियरिंग सहित 18 डिप्लोमा ६ सर्टिफिकेट कोर्स के लिए छात्र–छात्राएं आवेदन कर सकेंगे। पीजी डिप्लोमा कोर्स से अभ्यर्थी किसी विशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता प्रदान कर सकता है, जिससे रोजगार की संभावनाएं बढ़ जातीं हैं। यह पढ़ाई छात्र–छात्राओं में कौशल और ज्ञान को बढ़ा सकता है। यह कोर्स शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में विशेषज्ञता प्रदान कर सकता है।

भाकियू टिकैत ने मनाई चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 15वीं पुण्यतिथि

अयोध्या। भारतीय किसान यूनियन टिकैत जिला इकाई अयोध्या के तत्वावधान में सिविल लाइन स्थित लीची पार्क में संगठन के संस्थापक चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 15वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम का नेतृत्व महिला जिलाध्यक्ष सुमन पांडेय ने किया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव श्रीराम वर्मा सहित संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जिला अस्पताल पहुंचकर मरीजों को फल वितरित किए तथा रक्तदान कर सेवा भावना का संदेश दिया। श्री राम वर्मा ने कहा कि जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरित किया गया। मरीजों से मिलकर उन्हें जल्द स्वस्थ होने की कामना की गई। इस दौरान संकल्प लिया गया है कि टिकैत की सिद्धांतों पर कार्य करते हुए जनदृ जन की सेवा करते है। कार्यक्रम के दौरान किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक गोष्ठी भी आयोजित की गई, जिसमें किसानों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। पदाधिकारियों ने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए।

मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान समारोह

सोहावल–अयोध्या। मीरपुर कांटा गाँव में स्थित ज्ञानकली इंटर कालेज में शुक्रवार को कक्षा 9 एवं 11 के छात्र–छात्राओं के लिए अंकपत्र वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।विद्यालय परिसर में आयोजित समारोह में छात्र–छात्राओं को वार्षिक परीक्षा के अंकपत्र वितरित किया गया । कक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वाले छात्रों में विशेष उत्साह देखने को मिला।विद्यालय के प्रधानाचार्य ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए नियमित अध्ययन, अनुशासन और कठिन परिश्रम बेहद आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर आगे बढ़ने और विद्यालय का नाम रोशन करने की अपील की।शिक्षकों ने भी बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि मेहनत का कोई विकल्प नहीं होता। लगन से पढ़ाई करने वाले छात्र जीवन में अवश्य सफलता प्राप्त करते हैं।कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय द्वारा आयोजित सम्मान समारोह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों का मनोबल बढ़ता है और उनमें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। समारोह के अंत में विद्यालय परिवार ने सभी छात्र–छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है ।

प्राधिकरण सचिव ने जिला कारागार का किया निरीक्षण

चित्रकूट। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश शेषमणि शुक्ल के मार्गदर्शन में जिला कारागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव इला चौधरी ने औचक निरीक्षण एवं विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया।

निरीक्षण के दौरान जिला कारागार में संचालित लीगल एड क्लीनिक में अनुरक्षित समस्त पंजिकाओं को देखा पंजिकाओं की प्रविष्टियां नियमानुसार अंकित पायी गयी। पैरालीगल वालेण्टियर्स को निर्देशित किया गया कि यदि कोई बन्दी अपने मुकदमें की पैरवी के लिए व्यक्तिगत अधिवक्ता करने में अक्षम है तो नियमानुसार पत्राचार करते हुये अधीक्षक जिला कारागार के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से बन्दी के मुकदमें की पैरवी के लिए अधिवक्ता प्राप्त करा सकते हैं। बैरक संख्या 11, 16 व 22 के बन्दियों को जेल सभागार में एकत्रित कर वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों एवं विधिक सहायता के विषय पर जागरूकता कार्यक्रम करते हुये सचिव द्वारा कमजोर वर्गों को मुफ्त कानूनी सहायता, लोक अदालतों, और कानूनी साक्षरता के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी गई। इन शिविरों का उद्देश्य विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के तहत पात्र लोगों को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना है। समाज के कमजोर वर्ग, महिलाएं, बच्चे, दिव्यांग और कम आय वाले लोग पात्र हैं। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण तथा राज्य, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वरिष्ठ नागरिकों का भरण–पोषण और कल्याण अधिनियम 2007 के तहत संपत्ति के अधिकार, स्वास्थ्य, सुरक्षा और भरण–पोषण के कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गयी है। कुलदीप सिंह सहायक लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल द्वारा बताया गया कि वरिष्ठ नागरिकों को संपत्ति, भरण–पोषण, परिवारिक विवाद, उपहार, हस्तांतरण सम्बन्धी सलाह तथा रखरखाव न्यायाधिकरण से जुड़ी प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि यदि कोई वरिष्ठ नागरिक स्वयं अपना पालन दृ पोषण करने में सक्षम नहीं है तो उसके बच्चे व कानूनी उत्तराधिकारियों का कर्तव्य है कि वे उसकी देखभाल करें, इसके लिये सरकार ने ष्माता पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007" बनाया है। इस कानून के अनुसार वरिष्ठ नागरिक अपने बच्चों से भोजन कपडा, आवास और चिकित्सीय सहायता प्राप्त करने का अधिकार रखते हैं। स्वाती तिवारी सहायक लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल द्वारा बताया गया कि वरिष्ठ नागरिकों को हिंसा, उत्पीडन और मांसिक प्रताडना से सुरक्षा प्राप्त है। पुलिस विभाग द्वारा कई शहरों में वरिष्ठ नागरिक हेल्पलाईन व सुरक्षा योजनायें चलायी गयी हैं। प्रशिक्षु देवांशी सिंह द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत, पेंशन योजना,स्वास्थ्य बीमा आदि के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। इस अवसर पर कुश कुमार सिंह अधीक्षक जिला कारागार, चन्द्रपाल डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स काउन्सिल, सुनील कुमार वर्मा जेलर, कौशलेन्द्र सिंह डिप्टी जेलर, बृजकिशोरी डिप्टी जेलर, प्रभु प्रताप सिंह डिप्टी जेलर आदि मौजूद रहे।

डीएम ने की पोषण एवं आंगनबाड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा

-अधिकारियों को कार्य शीघ्र पूरा करने के दिए निर्देश

चित्रकूट। डीएम पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक कैम्प कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में आंगनबाडी केन्द्रों, पोषण वाटिकाओं, टीएचआर वितरण, हॉट कुक्ड मील, कुपोषित बच्चों के चिन्हांकन एवं पोषण सेवाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था साडा द्वारा निर्मित की जा रही पोषण वाटिकाओं एवं आरईडी द्वारा बनाए जा रहे आंगनबाडी केन्द्रों की प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाए। अन्यथा संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो पोषण वाटिकाएं एवं आंगनबाडी केन्द्र पूर्ण हो चुके हैं उन्हें तत्काल हैंडओवर कराया जाए। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के बिल समय से प्रेषित करने एवं उनके भुगतान की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही टीएचआर के लंबित भुगतान को इसी सप्ताह पूर्ण कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने शहर क्षेत्र में संचालित हॉट कुक्ड मील व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। सुपरवाइजर द्वारा बताया गया कि यह व्यवस्था 3 से 6 वर्ष तक के बच्चों के लिए संचालित है। इस पर जिलाधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि विगत एक वर्ष में हॉट कुक्ड मील मद में हुए व्यय का विस्तृत विवरण तैयार कर प्रस्तुत किया जाए।

बैठक में पैरेंट मीटिंग की समीक्षा करते हुए बताया गया कि प्रत्येक माह के तीसरे सप्ताह में अभिभावक बैठक आयोजित की जाती है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि आंगनबाडी केन्द्रों को केवल भोजन वितरण केन्द्र न बनाया जाए, बल्कि बच्चों के समग्र विकास एवं प्रारम्भिक शिक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल द्वारा विकासखंड पहाडी के चकजाफर आंगनबाडी केन्द्र के निरीक्षण में सुपरवाइजर की अनुपस्थिति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने सीडीपीओ पहाडी को संबंधित आंगनबाडी कार्यकर्त्री एवं सहायिका को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रतिदिन केन्द्रों पर आने वाले बच्चों की संख्या की सूची उपलब्ध कराने को कहा। बैठक में सैम एवं मैम बच्चों के चिन्हांकन एवं उपचार पर विशेष बल देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि ऐसे बच्चों का उपचार अपने बच्चों की तरह संवेदनशीलता एवं गंभीरता से सुनिश्चित कराया जाए।

संकट में अब और भी जल्दी मिलेगी पीआरवी की मदद

बस्ती आपातकालीन पुलिस सेवा यूपी 112 पीआरवी ने जनपद वासियों की सुरक्षा की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। पीआरवी (पुलिस रेस्पांस व्हीकल) के रेस्पांस टाइम में सुधार करते हुए अब पुलिस की मदद केवल 3.55 मिनट में मौके पर पहुंच रही है। इससे पहले यह समय औसतन छह मिनट दर्ज किया गया था। तकनीक और रणनीति का तालमेल कर यह उपलब्धि पीआरवी ने हासिल की है। शासन की मंशा के अनुरूप अपराध पर लगाम और पीड़ितों को त्वरित सहायता के संकल्प को पूरा करने के लिए यूपी 112 की कार्यप्रणाली में कई अहम बदलाव किए गए हैं। रेस्पांस टाइम में आई इस करीब 40 प्रतिशत की कमी के पीछे आधुनिक जीपीएस ट्रैकिंग, पीआरवी की रणनीतिक तैनाती और काल सेंटर की कार्यक्षमता में वृद्धि को मुख्य कारण माना जा रहा है। जिले के किसी भी कोने से 112 डायल करने पर पीआरवी की गाड़ी साढ़े तीन मिनट के करीब पहुंच जाएगी।

जारी रहेगा अभियान, चौथे दिन निकाली गई भारी भरकम चोई और प्लास्टिक कचरा

चित्रकूट। ज्येष्ठ माह की अमावस्या के पहले बुंदेली सेना नें पन्नालाल घाट समेंत लगभग तीन सौ मीटर तक नदी को साफ स्वच्छ कर दिया है। अब श्रद्धालु ही नहीं स्थानीय लोग गर्मियों में नदी में डुबकी का आनंद लेंगे। सफाई अभियान अभी चलता रहेगा ताकि व्यापक स्तर पर नदी स्वच्छ हो। शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भारी भरकम चोई घास और प्लास्टिक कचरा नदी के बाहर किया गया।

बुंदेली सेना के जिलाध्यक्ष अजीत सिंह नें बताया कि सीतापुर के स्थानीय लोग बड़े पैमाने पर छोटे पुल से लेकर बूड़े हनुमान जी मंदिर तक नदी का प्रयोग करते हैं। इसी क्षेत्र में नदी बेहद प्रदूषित थी। इसी के चलते यहां सफाई अभियान शुरू किया गया। ताकि लोगों को साफ स्वच्छ नदी में डुबकी लगाने का आनंद मिले। लगातार चार दिन के अभियान में पन्नालाल घाट समेंत लगभग तीन सौ मीटर लम्बी नदी साफ की गई। अगले दो से तीन दिन में बूड़े हनुमान जी मंदिर तक नदी को साफ स्वच्छ कर दिया जाएगा। इसके बाद अगले चरण में नयागाँव के घाटों और सीढ़ियों की सफाई का दौर चलेगा। सफाई के पीछे लक्ष्य जागरूकता का है। ताकि समाज अपनी अमूल्य धरोहर के प्रति उदासीनता का भाव छोड़े धर्मभीरू लोग अपनी परम्पराएं बदलें और नदी में बेवजह की चीजें न फेंके।

नगर के चहुमुखी विकास के लिए योगी सरकार संकल्पित नरेंद्र गुप्ता

-बोर्ड बैठक में 77 करोड़ का बजट सर्वसम्मति से पारित

चित्रकूट। नगर पालिका परिषद चित्रकूट धाम कर्वी की बोर्ड बैठक में आगामी वर्ष के लिए विकास एवं अन्य कार्यक्रमों के संचालन हेतु 70 करोड़ का बजट सर्वसम्मति से पारित किया गया। पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि मुख्य थ्मंत्री योगी आदित्यनाथ ने चित्रकूट धाम कर्वी की नगर पालिका को विभिन्न मदों में करोड़ों की सौगात दी है। धार्मिक नगरी होने के नाते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यहां के विकास के लिए स्वयं चिंतित हैं और नगर पालिका परिषद को बी श्रेणी का दर्जा सरकार ने दिया जिससे अब यहां विकास की गति और तेजी से बढ़ेगी। पालिका में आई के स्रोत बढ़ाने के लिए पुराने बस स्टैंड में एक परिसर का निर्माण करने का प्रस्ताव है ।इसी तरह स्टेशन रोड में छोटे–छोटे दुकानदारों के लिए सड़क के किनारे छोटी–छोटी दुकान बनाने पर भी विचार किया गया है ।इसके अलावा नगर को साफ सुथरा रखना प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने विभिन्न मार्गों के निर्माण के लिए भी बजट में अच्छा खासा प्रावधान किया गया है किसी भी वार्ड में अब प्रकाश व्यवस्था की कमी नहीं रहेगी। जो गलियां कच्ची है उनका पक्का निर्माण कराया जाएगा, जल निकासी के लिए भी बजट में प्रावधान हुआ है। अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने बताया कि नगर को सुंदर बनाने की प्रक्रिया गतिमान है धनुष चौराहा से लेकर शंभू बाबू पेट्रोल पंप तक सड़क चौड़ीकरण और सुंदरीकरण का कार्य विकास प्राधिकरण को सौंप दिया गया है इसी तरह अन्य मार्गो को भी सुंदर बनाने का प्रयास रहेगा। शास्त्री नगर एसडीएम कॉलोनी में जो सड़क शिवपुरी बच्चा जेल तक निर्माणाधीन थी वह अधूरी होने से लोगों को दिक्कत थी अब इसका निर्माण बहुत जल्द होगा। इसके अलावा और भी सड़कें बनाई जाएंगी। अधिशासी अधिकारी लालजी यादव और सफाई निरीक्षक कमलाकांत शुक्ला द्वारा बजट प्रावधान की विधिवत जानकारी बोर्ड बैठक में दी गई ।बैठक में पालिका सभासद शंकर प्रसाद यादव, विनय त्रिपाठी, विनीत पयासी, राजा, किशन गुप्ता के अलावा वरिष्ठ लिपिक सुभाष गुप्ता, अशरफ, ज्ञानचंद गुप्ता और अभियंता शुभम तिवारी प्रवीण श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

जिला जज ने जेल में कानूनी सहायता हेल्प डेस्क का किया शुभारंभ

बस्तीं बंदियों को त्वरित और सुलभ न्याय दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला जज शमसुल हक ने गुरुवार को जिला कारागार में कानूनी सहायता हेल्प डेस्क का विधिवत शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य उन बंदियों और उनके मुलाकातियों को कानूनी मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना है, जो आर्थिक तंगी या जानकारी के अभाव में अपने केस की पैरवी नहीं कर पा रहे हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान जिला जज के साथ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) संदीप सिंह, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव देवेन्द्र कुमार प्रथम और जेल अधीक्षक शिव प्रताप मिश्र, जेलर राजीव मिश्र, उप कारापाल रोशन व वंदना मिश्र मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि जनपद एवं सत्र न्यायाधीश ने फीता काटकर हेल्प डेस्क का उद्घाटन करने के पश्चात और वहां तैनात होने वाले पैराबैधानिक स्वयंसेवकों (पीएलवी) को आवश्यक निर्देश दिए। इस मौके पर सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि जिला कारागार में आरंभ की गई यह पहल गरीब और लाचार बंदियों के लिए मील का पत्थर साबित होगी। इस मौके पर लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ कौशल किशोर श्रीवास्तव, डिप्टी चीफ शैलजा कुमार पांडेय व असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल नितिश कुमार श्रीवास्तव व दीप्ति पांडेय मौजूद रहीं।

एसपी ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। एसपी अरुण कुमार सिंह ने पुलिस लाइन्स में शुक्रवार की साप्ताहिक परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया। पुलिस कर्मियों को शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ, तत्पर और अनुशासन बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रकार के शारीरिक व्यायाम कराए गए। स्वास्थ्य के लाभ के लिए परेड की दौड़ करायी गयी। परेड में शामिल अधिकारी, कर्मचारीगण को अनुशासन, एकरूपता और कर्तव्यनिष्ठा के संबंध में बताया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा परिवहन शाखा जाकर थानों से आयी समस्त चारध्दो पहिया वाहनों, 112 पीआरवी वाहन तथा परिवहन शाखा में रखे वाहनों का निरीक्षण कर प्रभारी परिवहन शाखा को वाहनों की कमियों को दूर करने के लिए निर्देशित किया गया। डायल 112 कार्यालय, आवास परिसर, बैरक, सीपीसी कैन्टीन, मंदिर, भोजनालय, ऑर्मरी का निरीक्षण कर अर्दली रुम किया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन्स यामीन अहमद व अन्य अधिकारी, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

धुरदा में बनेगा उत्सव भवन, विधायक ने किया शिलान्यास

बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना भाजपा सरकार की प्राथमिकता- अजय सिंह

बस्ती। हरैया विधानसभा के धुरदा ग्राम पंचायत में जनपद के पहले उत्सव भवन का शिलान्यास क्षेत्रीय विधायक अजय सिंह ने शुक्रवार को किया। लगभग 1.5 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले उत्सव भवन के बनने से क्षेत्र के दर्जनों गाँवों के लोगों को इसका लाभ मिल सकेगा। शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना भाजपा सरकार की प्राथमिकता है। इस उत्सव भवन के निर्माण से धुरदा सहित आसपास के गांवों के लोगों को लाभ मिल सकेगा। कहा कि अब ग्रामीणों को शादी–विवाह, सामूहिक कार्यक्रम, सामाजिक बैठकें तथा सांस्कृतिक आयोजनों में सहूलियतें मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं से युक्त भवन का निर्माण गांव के विकास का प्रतीक है। यह भवन क्षेत्र की सामाजिक एकता को मजबूत करने के साथ–साथ लोगों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए विधायक का आभार व्यक्त किया। परशुरामपुर प्रमुख प्रतिनिधि श्रीश पाण्डेय ने कहा कि अब तक क्षेत्र में किसी बड़े सार्वजनिक भवन की सुविधा नहीं थी, जिससे लोगों को निजी स्थानों या दूसरे क्षेत्रों का सहारा लेना पड़ता था। उत्सव भवन बनने के बाद क्षेत्र के लोगों को काफी सहूलियत मिलेगी और सामाजिक कार्यक्रम व्यवस्थित ढंग से आयोजित हो सकेंगे। इस अवसर पर मुख्य रूप से विधायक प्रतिनिधि पंडित सरोज मिश्रा, खुशीराम वर्मा प्रधान, अखिलेश सिंह, भरत सिंह, वीरू सिंह, दीपक सिंह, अवनीश सिंह, सत्येंद्र सिंह, पुरुषोत्तम तिवारी, शिवनाथ मौर्या, रामसुभावन यादव, आशीष राजभर, नरेंद्र राजभर, राजन सिंह, मनोज सिंह आदि मौजूद रहे।

सोने की चेन देने के नाम पर अधिवक्ता से धोखाधड़ी: मुकदमा दज

बस्ती। मुण्डेरवा थाना क्षेत्र के मूडाडीहा निवासी अधिवक्ता विक्रम गौतम के साथ महादेवा चौराहा स्थित आर.के. ज्वेलर्स के संचालक राजन गुप्ता द्वारा सोने की चेन देने के नाम पर 1,15371 (एक लाख 15 हजार तीन सौ इक्हत्तर) रूपये के धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। अधिवक्ता विक्रम गौतम की तहरीर पर मुण्डेरवा पुलिस राजन गुप्ता के विरूद्ध बीएनएस की धारा 316 (2) के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की छानवीन कर रही है। अधिवक्ता विक्रम गौतम ने बताया कि उन्होने अपने विवाह में सोने की चेन के लिये आर.के. ज्वेलर्स के संचालक राजन गुप्ता को कई किश्तों में नकद, गूगल पे व फोन पे के माध्यम से 1,15371 रूपया दिया। बाद में राजन गुप्ता ने जब सोने की चेन देने से इंकार कर दिया तो मजबूर होकर उन्हें मुकदमा दर्ज करना पड़ा। राजन गुप्ता ने एक फर्जी रसीद तैयार कर सोने की चेन देने का षड़यंत्र भी किया। उन्होने पुलिस प्रशासन से अपना सोने की चेन उसी समय के भाव मे दिलाये जाने की मांग किया है।

कंपनियों से ठगे गए पीड़ितों का हो भुगतान - हरिशंकर गुप्ता

चित्रकूट। राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के जिला मंत्री हरिशंकर गुप्ता ने मुख्यमंत्री को संबोधित पत्र विधायक के माध्यम से भेजकर कानून अधिनियम के तहत ठगी के पीड़ितों का भुगतान कराए जाने की मांग की है। कहा कि सदन में समस्त ठगी पीड़ितों के भुगतान के लिए अधिनियम जमा योजनाओं पाबंदी अधिनियम 2019 कानून व्यवस्था बनाया गया था। जिससे ठगी पीड़ितो का भुगतान आवेदक के आवेदन पर 180 दिन में उसकी जमा राशि दो से तीन गुना भुगतान करने के लिए जिले में नियुक्त सक्षम सहायक अधिकारी और विशेष न्यायाधीश को अधिकृत किया था। जबकि इस अधिनियम का अनुपालन प्रशासन के द्वारा नहीं किया जा रहा है। ठगी पीड़ित गरीब, मध्यम वर्ग और व्यापारी वर्ग का सबसे ज्यादा है वह मानसिक तनाव ग्रस्त है। रोज वैली, प्रिज्म, सहारा जैसी हजारों कंपनियां हैं जो भुगतान नहीं कर रही है ।समाजसेवी ने कहा कि इस कानून व्यवस्था को जल्द से जल्द लागू किया जाए। जिससे गरीब, किसान, मध्यम वर्ग, व्यापारियों की मेहनत की जमा पूंजी वापस मिल सके।

प्राथमिक शिक्षक संघ के अधिवेशन में हरिओम अध्यक्ष आनन्द मंत्री निर्वाचित'

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई परशुरामपुर का त्रैवार्षिक अधिवेशन शुक्रवार को बीआरसी परिसर में संपन्न हुआ। अधिवेशन में संगठन की नई कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। इस दौरान सर्वसम्मति से हरिओम यादव को अध्यक्ष तथा आनन्द को मंत्री पद के लिए निर्वाचित किया गया। साथ ही अन्य पदों पर भी शिक्षकों का मनोनयन किया गया ।नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शिक्षकों ने फूल–मालाओं से स्वागत किया और उनके नेतृत्व में संगठन के और अधिक सशक्त होने की उम्मीद जताई। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि श्रीश पाण्डेय द्वारा सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई ।चुनाव पर्यवेक्षक नन्दलाल, चुनाव अधिकारी आज्ञाराम वर्मा और संजीव सिंह के देखरेख में चुनाव सम्पन्न हुआ। किसी भी पद पर एक से अधिक प्रत्याशी न होने के कारण सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन का कार्य पूर्ण हुआ। अध्यक्ष और मंत्री के अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर सन्तोष कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष पद पर सुनील तिवारी, सन्तोष सिंह, बृजेश कुमार, प्रवीण कुमार, विजय पाण्डेय और साधना तिवारी, संयुक्त मंत्री पद पर राम भवन मौर्य, संगठन मंत्री पद पर कमलेश कुमार, सन्तोष कुमार त्रिपाठी, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, साक्षी मिश्रा और पूनम देवी, प्रचार मंत्री पद पर विवेक तिवारी, अभिनव मिश्रा, प्रमोद वर्मा, प्रियंका शर्मा और अनीता, कोषाध्यक्ष पद पर त्रिभुवन, लेखाकार पद पर सन्तोष शुक्ल, आय व्यय निरीक्षक पद पर विवेक आनन्द को निर्वाचित किया गया। इसी तरह संघर्ष समिति के अध्यक्ष पद पर विजय राव, मंत्री पद पर आलोक पटेल, संयुक्त मंत्री पद पर दुर्गेश कुमार, उपाध्यक्ष पद पर महादेव को मनोनीत किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि शिक्षक ही समाज की नींव हैं, क्योंकि वही ज्ञान, संस्कार और चरित्र निर्माण के माध्यम से राष्ट्र का भविष्य तैयार करते हैं। जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह और जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा ने कहा कि अपने अधिकारों के लिए शिक्षक एकजुट रहें। उन्होंने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सजग रहने की बात कही। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि जिन ब्लॉकों में अधिवेशन अभी बचा है जल्द ही उसको संपन्न करा लिया जाएगा।

हेल्प डेस्क से होने वाले लाभ

मुफ्त में विधिक सलाह दी जाएगी। आर्थिक तंगी की वजह से अपना वकील न कर पाने वाले बंदियों को सरकारी वकील उपलब्ध कराया जाएगा। उन्हें अपने केस की जानकारी दी जाएगी। बंदियों को उनके केस की वर्तमान स्थिति और अगली तारीखों से अवगत कराया जाएगा। अपील और जमानत के विषय में अपडेट जानकारी पीएलवी के माध्यम से उनको मिलती रहेगी। समय पर जमानत याचिका और उच्च न्यायालय में अपील दाखिल करने में मदद करना ।सरकारी योजनाओं का भी लाभ मिलेगा। बंदियों और उनके स्वजन के लिए बनी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

बीमारी से तंग वृद्ध ने फांसी लगा दी जान

चित्रकूट। सीतापुर के चितरा गोकुलपुर में बीमारी से तंग आकर 70 वर्षीय वृद्ध ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है ।ये मामला कर्वी कोतवाली क्षेत्र के सीतापुर चौकी अंतर्गत चितरा गोकुलपुर गांव का है। शुक्रवार की सुबह लगभग 4:30 बजे 70 वर्षीय वृद्ध ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक वृद्ध जयनारायण के परिजनों ने बताया कि वह कई वर्षों से बीमार चल रहे थे। काफी इलाज कराने के बाद भी वह ठीक नहीं हुए और बीमारी से तंग आकर फांसी लगा लिया। मृतक की पत्नी सुशीला सोकर जगी तो जयनारायण को फांसी के फंदे पर लटके देखा और परिवार के अन्य सदस्यों को जानकारी दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। घटना से परिवार में शोक छा गया।

आंकड़ों की जुबानी सुधार का सफर

पीआरवी के प्रभारी निरीक्षक राणा देवेन्द्र प्रताप सिंह के मुताबिक रेस्पांस टाइम में सुधार के लिए सबसे पहले हाटस्पाट क्षेत्र चिंहित किया गया। जिन क्षेत्रों से अधिक काल आती हैं, वहां पीआरवी यूपी 112 की तैनाती को सघन किया गया है। अत्याधुनिक साफ्टवेयर की मदद से पीआरवी को घटनास्थल तक पहुंचने का सबसे छोटा और जाम–मुक्त रास्ता पहले से तय कर लिया जा रहा है।

युवक को सर्प ने डसा, मौत

चित्रकूट। भरतकूप के भारतपुर तरांव में सोते समय सर्प के डसने से युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। बताया गया कि तरांव गांव निवासी भरतलाल (35) पुत्र मुन्ना प्रसाद रोजाना की भांति घर में ही जमीन पर बिस्तर लगाकर सो रहा था। तभी उसे सर्प ने डस लिया। जिससे भरतलाल की हालत बिगड़ गई। जिसकी जानकारी भरतलाल ने परिजनों को दी।

संयुक्तनिदेशक के निरीक्षण में जेठ की दोपहरी में गो आश्रय स्थल पर खड़े मिले अधिकतर पशु

ड्रमंडगंज, मीरजापुर। संयुक्त निदेशक (प्रशासन) पशुपालन निदेशालय उत्तर प्रदेश डॉ प्रदीप कुमार ने शुक्रवार को बीडीओ हलिया विजय शंकर त्रिपाठी के साथ क्षेत्र के महोगढ़ी और गलरा गांव स्थित गौ आश्रय स्थलों का निरीक्षण किया। संयुक्त निदेशक के निरीक्षण में महोगढ़ी और गलरा गो आश्रय स्थल पर अधिकांश पशु बिना ईयर टैग लगे पाए गए। जिसपर संयुक्त निदेशक ने मौके पर मौजूद पशुचिकित्साधिकारी हलिया कमलेश कुमार व पशुचिकित्साधिकारी बरौंधा नीलम सिंह को गो वंशों की देखभाल में लापरवाही मिलने पर कड़ी फटकार लगाई बिना ईयर टैग वाले गोवंशो को जल्द से जल्द ईयर टैग लगवाने का सख्त निर्देश दिया। निरीक्षण में महोगढ़ी गौ आश्रय स्थल पर भूसा और पोषाहार पर्याप्त मात्रा में पाया गया लेकिन हरे चारे का कोई प्रबंध नही मिला। दोपहर साढ़े बारह बजे के करीब गलरा गो आश्रय स्थल पहुंचे संयुक्त निदेशक को अधिकतर गोवंशीय पशु चिलचिलाती धूप में खड़े दिखाई पड़े ।जिसे देखकर उन्होंने मौके पर पशु चिकित्साधिकारी हलिया कमलेश कुमार व ग्राम सचिव मनोज गौतम को जल्द से जल्द से जल्द गो आश्रय स्थल पर अतिरिक्त टिनशेड लगवाकर गोवंशो की सुरक्षा को देखते हुए छांव की समुचित व्यवस्था कराने के लिए निर्देश दिया। संयुक्त निदेशक ने पशुओं की सुरक्षा में लापरवाही नही बरतने की हिदायत दी। संयुक्त निदेशक ने गौ आश्रय स्थल पर पशुओं के हरे चारे के प्रबंध के बारे में पूछा तो प्रधान पति अरूण मिश्र ने बताया कि सुबह शाम पशुओं को हरा चारा खिलाया जाता है। जिसपर संयुक्त निदेशक ने कहा कि मौजूद पशुओं और उनकी चरनी को देखकर तो ऐसा नही लग रहा है

ब्राह्मण विरोधी बयान पर सवर्ण आर्मी में आक्रोश फूंका गया पुतला

मीरजापुर। समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता राजकुमार भाटी द्वारा ब्राह्मण समाज को वैश्या के समान बताने वाले आपत्तिजनक बयान के विरोध में सवर्ण आर्मी के कार्यकर्ताओं ने जिला मुख्यालय पर जोरदार प्रदर्शन करते हुए टीबी अस्पताल तिराहा पर राजकुमार भाटी का पुतला दहन किया और सपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

वक्ताओं ने कहा, राजकुमार भाटी का बयान ब्राह्मण समाज ही नहीं, पूरे सनातन धर्म का अपमान है। सपा ने हमेशा वोट के लिए समाज को बांटने का काम किया है। ब्राह्मण कोई 'विषय' नहीं, राष्ट्र का विचार है।

टैंकर पलटने से दबकर महिला की मौत

चित्रकूट। कर्वी के छिपनी बाहरखेडा के सुखलालपुर के पास ट्रैक्टर में लगा टैंकर पलटने से दबकर महिला की दर्दनाक मौत हो गइ्र। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है ।बताया गया कि शुक्रवार की सुबह ट्रैक्टर में लगा पानी का टैंकर पलटने से टैंकर के नीचे दबकर 27 वर्षीय सीमा पत्नी गुल्लू निवासी छिपनी बाहरखेडा की मौत हो गई।

आरसीबी की नजर, कमजोर गेंदबाजी वाली पंजाब किंग के खिलाफ जीत पक्की करने का मौका

धर्मशाला में होने वाले अहम आईपीएल मुकाबले में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु की नजरें पंजाब किंग्स की कमजोर गेंदबाजी का फायदा उठाकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने पर होंगी। सबकी निगाहें पिछले मैच के शतकवीर विराट कोहली पर टिकी हैं, जबकि लगातार हार से जूझ रही पंजाब के लिए यह करो या मरो का मुकाबला होगा।मौजूदा चैंपियन रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में पंजाब किंग्स की कमजोर गेंदबाजी का फायदा उठाकर प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगा। ध र्मशाला के बेहद खूबसूरत स्टेडियम में होने वाले इस मैच का मुख्य आकर्षण निश्चित तौर पर विराट कोहली रहेंगे जिन्होंने पिछले मैच में शतक लगाया था। धौलाधार पर्वतमाला की मनमोहक पृष्ठभूमि में कोहली की बल्लेबाजी देखने के लिए दिल्ली और पंजाब से बड़ी संख्या में प्रशंसक हिमाचल के पहाड़ों की ओर रवाना हो चुके हैं।आरसीबी टूर्नामेंट की एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखी है। उसकी टीम पंजाब के खिलाफ जीत के प्रबल दावेदार के रूप में उतरेगी। टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत करने वाले पंजाब किंग्स पर लगातार पांच मैच में हार के बाद टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। आरसीबी की टीम जहां अंक तालिका में बेहद अच्छी स्थिति में है वहीं पंजाब किंग्स की टीम के लिए एक और हार प्लेऑफ के दरवाजे लगभग बंद कर देगी। पंजाब किंग्स यहां खेले गए पिछले दो मैच में अंतिम पांच ओवर में अपनी गेंदबाजी पर नियंत्रण बनाए रखने में असफल रहा और इस तरह से 210 और 200 रन का बचाव नहीं कर पाया।असल में इस प्रारूप के इतिहास में 200 से अधिक का स्कोर बनाने के बाद सबसे अधिक मैच (10) हारने का रिकॉर्ड पंजाब किंग्स के नाम पर है। जेवियर बार्टलेट और मार्को यानसन जैसे गेंदबाज पूरे टूर्नामेंट में महंगे साबित हुए हैं जिससे पंजाब को अपने गेंदबाजी संयोजन में बदलाव करने की जरूरत है। अर्शदीप सिंह ने पिछले मैच में किफायती गेंदबाजी की जबकि अजमतुल्लाह उमरजई ने सत्र के अपने पहले ही मैच में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया। विजयकुमार वैशाक को पिछले मैच में मौका नहीं मिला लेकिन अंतिम ओवरों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए टीम उन्हें फिर से अंतिम एकादश में शामिल कर सकती है।पंजाब की बल्लेबाजी अच्छी रही है लेकिन पिछले कुछ मैच में वह इस विभाग में भी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाया है। गेंदबाजी वह विभाग है जिसमें पंजाब को बहुत ज्यादा सुधार करने की जरूरत है। जहां तक आरसीबी का सवाल है तो वह बेहद संगठित टीम नजर आ रही है। 37 वर्षीय कोहली बेहतरीन प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने रायपुर में केकेआर के खिलाफ 60 गेंदों में 105 रन बनाए थे। भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड सहित उसके तेज गेंदबाज यहां की परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाना चाहेंगे। दर्शकों की नजर फिर से कोहली पर होगी जो एक और बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

प्लेऑफ की रेस में बने रहने के लिए भिड़ेंगे पंजाब और दिल्ली

धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच एक हाई–स्कोरिंग मुकाबले की उम्मीद है, जहाँ बल्लेबाजों को मदद मिलेगी। लगातार हार से जूझ रही पंजाब वापसी करना चाहेगी, जबकि प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी दिल्ली बिना दबाव के खेलकर उनका समीकरण बिगाड़ सकती है। 11 मई को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में होने वाले आगामी आईपीएल 2026 मुकाबले में पंजाब किंग्स दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी करेगा। गौरतलब है कि श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीम लगातार तीन मैच हारने के बाद अपने दूसरे घरेलू मैदान पर लय हासिल करने के लिए बेताब है। टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में उनका प्रदर्शन काफी सहज लग रहा था, लेकिन हाल के झटकों ने उन कमियों को उजागर किया है जिन पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हुए खराब प्रदर्शन को छोड़कर बल्लेबाजी काफी हद तक ठीक रही है, हालांकि विपक्षी टीमों ने प्रियांश आर्य को शॉर्ट पिच गेंदबाजी से निशाना बनाया है, वहीं प्रभसिमरन सिंह का प्रदर्शन हाल ही में खराब रहा है।हालांकि, मध्य क्रम ने अच्छे संकेत दिए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ कूपर कॉनोली के शतक ने अपने पहले आईपीएल सीजन में उनकी बढ़ती प्रतिष्ठा को और मजबूत किया है, वहीं सूर्यांश शेडगे ने भी सीमित मौकों में सकारात्मक योगदान दिया है। पंजाब की सबसे बड़ी चिंता उनकी गेंदबाजी है। कैच छूटने से उन्हें बार–बार नुकसान हुआ है, लेकिन मार्को जानसेन और अर्शदीप सिंह के खराब फॉर्म ने उन पर दबाव और बढ़ा दिया है, खासकर ध र्मशाला की परिस्थितियों में, जो आमतौर पर अधिक रन वाले मैचों के लिए अनुकूल होती हैं।दूसरी ओर, दिल्ली प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों के साथ मैदान में उतर रही है। शुरुआती सप्ताह में मजबूत प्रदर्शन की उम्मीद अब दूर की कौड़ी लग रही है, क्योंकि लगातार खराब प्रदर्शन के कारण उनके पास गलतियों की गुंजाइश बहुत कम है। उनका खराब नेट रन रेट स्थिति को और जटिल बना रहा है और कप्तान अक्षर पटेल पहले ही टीम में बदलाव करने और बेंच पर बैठे खिलाड़ियों को मौका देने के संकेत दे चुके हैं। यह स्थिति दिल्ली को एक खतरनाक प्रतिद्वंद्वी बना सकती है। उम्मीदें धूमिल होने के साथ, बिना दबाव के खेलने की आजादी उन्हें पंजाब की जीत की राह में वापसी की कोशिशों को बाधित करने का मौका दे सकती है। धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए बेहद मददगार साबित होगी।

आईसीसी की नई ओडीआई रैंकिंग में टीम इण्डिया का दबदबा, बादशाहत बरकरार

आईसीसी की नवीनतम पुरुष वनडे टीम रैंकिंग में भारत 118 अंकों के साथ शीर्ष पर अपनी स्थिति बनाए हुए है, जिससे न्यूजीलैंड पर पांच अंकों की बढ़त है। यह वार्षिक अपडेट क्रिकेट विश्व कप 2027 के लिए क्वालिफिकेशन की दौड़ में भारत की मजबूत स्थिति को दर्शाता है, जबकि ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर कायम है। आईसीसी पुरुष वनडे टीम रैंकिंग के नवीनतम वार्षिक अपडेट के बाद भारत शीर्ष पर बना हुआ है। दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड (113 अंक) से भारत ने मामूली पांच अंकों की बढ़त बना ली है, जबकि ऑस्ट्रेलिया (109 अंक) तीसरे स्थान पर बरकरार है और शीर्ष तीन में शामिल है। भारत की रैंकिंग में एक अंक की मामूली गिरावट आई है और अब उसके पास 118 अंक हैं। वार्षिक रैंकिंग अपडेट में मई 2025 के बाद खेले गए मैचों को पूरा भार (100 प्रतिशत) दिया जाता है, जबकि पिछले दो वर्षों के परिणामों को आधा भार (50 प्रतिशत) दिया जाता है। 102 अंकों के साथ भारत ने पाकिस्तान को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष चार में जगह बना ली है।शीर्ष 10 में शेष टीमें अपरिवर्तित हैं, जिनमें श्रीलंका (96), अफगानिस्तान (93) और इंग्लैंड (89) शीर्ष आठ में शामिल हैं। बांग्लादेश 84 अंकों के साथ नौवें स्थान पर है, जबकि वेस्ट इंडीज 74 अंकों के साथ टाइगर्स से 10 अंक पीछे है, जबकि पिछले अपडेट में यह अंतर छह अंक था। इस परिणाम का दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण प्रभाव है, क्योंकि वे आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2027 के लिए सीधे क्वालिफाई करने का प्रयास कर रही हैं। 31 मार्च, 2027 तक

आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष आठ टीमें मेजबान दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के साथ सीधे क्वालीफाई कर लेंगी, जिन्हें स्वतः ही क्वालीफाई मिल चुका है। इस संदर्भ में, यदि दक्षिण अफ्रीका टूर्नामेंट के लिए स्वतः क्वालीफाई होने के कारण शीर्ष आठ स्थानों में पर बना रहता है, तो नौवां स्थान सीधे विश्व कप टिकट के लिए महत्वपूर्ण हो जाएगा। इस बीच, आयरलैंड (54) जिम्बाब्वे (53) को पछाड़कर 11वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि अमेरिका 46 अंकों के साथ स्कॉटलैंड को पीछे छोड़ते हुए 13वें स्थान पर आ गया है, जबकि स्कॉटलैंड के 44 अंक हैं।

आईपीएल के बाद आईपीएल-कमिंस को मिला आराम, मिचेल स्टाक बने आस्ट्रेलिया के कप्तान

ऑस्ट्रेलिया ने अपने प्रमुख तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को पाकिस्तान और बांग्लादेश के आगामी सीमित ओवरों के दौरे से विश्राम दिया है। यह निर्णय विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तैयारी और कार्यभार प्रबंधन के तहत लिया गया है, जिसमें मिचेल मार्श को टीम की कप्तानी सौंपी गई है। ऑस्ट्रेलिया ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल रहे तेज गेंदबाजों पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के कार्यभार प्रबंधन के तहत पाकिस्तान और बांग्लादेश में होने वाली सीमित ओवरों की श्रृंखला के लिए सोमवार को अपनी टीम में नहीं चुना। इस फैसले से कुछ युवा खिलाड़ियों को मौका मिलेगा।कमिंस, स्टार्क और हेजलवुड को विश्राम देने का उद्देश्य इन तीनों को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिए तैयार रखना है जिसकी शुरुआत वह बांग्लादेश के खिलाफ दो मैच की घरेलू टेस्ट श्रृंखला से करेगा।ये तीनों खिलाड़ी पाकिस्तान के खिलाफ 30 मई से शुरू होने वाली तीन वनडे मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाएंगे। ऑलराउंडर लियाम स्कॉट और ऑस्ट्रेलिया की अंडर–19 विश्व कप टीम के कप्तान ओली पीक को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया गया है। आईपीएल 31 मई को समाप्त होगा। युवा बल्लेबाज जोएल डेविस को जून में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए टीम में चुना गया है। उन्हें भी पहली बार मौका मिला है। ट्रैविस हेड, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शियस और जेवियर बार्टलेट इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बाद बांग्लादेश रवाना होंगे, जबकि अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल को टीम से बाहर कर दिया गया है।अगले साल अक्टूबर में दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे में होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए मिचेल मार्श दोनों टीम की कप्तानी करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया रावलपिंडी (30 मई) और लाहौर (दो और चार जून) में पाकिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलेगा। इसके बाद वह बांग्लादेश का दौरा करेगा तथा ढाका (नौ, 11 और 14 जून) में तीन वनडे मैच और चटोग्राम (17, 19 और 21 जून) में तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगा। पाकिस्तान के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमरू मिचेल मार्श (कप्तान), एलेक्स कैरी, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, रिले मेरेडिथ, ओली पीक, मैथ्यू रेनशॉ, तनवीर संघा, लियाम स्कॉट, मैथ्यू शॉर्ट, बिली स्टेनलेक, एडम जम्पा। बांग्लादेश के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीमरू मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शियस, नाथन एलिस, कैमरन ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, मार्नस लाबुशेन, मैथ्यू रेनशॉ, तनवीर संघा, लियाम स्कॉट, एडम जम्पा।

मुंबई इंडियंस कोच जयवर्धने ने बताई टीम की सबसे बड़ी नाकामी की वजह

आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने पर मुंबई इंडियंस के कोच माहेला जयवर्धने ने टीम की विफलता का मुख्य कारण प्रदर्शन में निरंतरता की कमी को बताया है। आरसीबी के खिलाफ मिली आठवीं हार के बाद उन्होंने स्वीकार किया कि टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही।इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से दो विकेट से मिली हार के बाद टीम के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने के बाद स्वीकार किया कि उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा। मुंबई

इंडियंस की यह 11 मैच में आठवीं हार थी जिससे पता चलता है कि उसकी टीम निरंतर अच्छा प्रदर्शन करने में नाकाम रही।

जयवर्धने ने मैच के बाद कहा, ''यह सत्र निराशाजनक रहा। हमें मौके मिले लेकिन हम उनका फायदा नहीं उठा पाए। हमारे प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा। हम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभाग में लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे हमें हार का सामना करना पड़ा।'' मुंबई को आरसीबी के खिलाफ अंतिम ओवर में 15 रन का बचाव करना था लेकिन उसके ऑलराउंडर राज अंगद बावा ऐसा करने में नाकाम रहे।बावा को आखिरी ओवर सौंपने के बारे में जयवर्धने ने कहा, ''उस समय हमारे सभी गेंदबाजों के ओवरों का कोटा पूरा हो चुका था। हमारे पास कोई भी अनुभवी गेंदबाज नहीं बचा था। हमारे पास दो स्पिनर थे। उनमें से एक रघु शर्मा थे जिन्होंने गेंदबाजी नहीं की थी। दूसरा विकल्प शायद अल्लाह गजनफर होते।''उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि सूर्यकुमार यादव ने राज पर भरोसा दिखाया। राज अच्छा गेंदबाज है। हम जानते हैं कि वह क्या कर सकता है। वह भी दबाव में था।

का अनुमान, पर कमजोर रुपया और महंगा तेल बन सकते हैं बड़ा संकट

एसबीआई रिसर्च ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.6: रहने का अनुमान लगाया है, लेकिन रुपये की गिरावट और भुगतान संतुलन की चुनौतियों पर चिंता जताई है। रिपोर्ट के अनुसार, यदि रुपया 95 प्रति डॉलर पर बना रहता है तो 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य वित्त वर्ष 2029–30 तक पिछड़ सकता है। देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2026–27 में 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं रुपये की विनिमय दर में गिरावट और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों को देखते हुए भुगतान संतुलन के मोर्चे पर व्यापक कदम उठाने की आवश्यकता है। एसबीआई रिसर्च की सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, हाल के समय में बाह्य तत्वों और अनियंत्रित सट्टेबाजी के कारण रुपये के मूल्य में काफी गिरावट आई है।इसके लिए भुगतान संतुलन के मोर्चे पर संरचनात्मक बदलावों की आवश्यकता है। इसमें आयात प्रतिस्थापन, निर्यात प्रतिस्पर्धी क्षमता और वैश्विक मूल्य श्रृंखला में एकीकरण के सुरक्षा उपायों को व्यवस्थित करना शामिल है। पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण रुपया अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 95 प्रति डॉलर का आंकड़ा पार कर गया है। एसबीआई रिसर्च ने कहा, ''भुगतान संतुलन (बीओपी) की समस्या से निपटने के लिए नीतियों के स्तर पर एक व्यापक पैकेज लागू करने की अब जरूरत है।'' इस मामले में प्रवासी बॉन्ड यानी विदेशों में रह रहे भारतीयों के लिए बॉन्ड जारी करना एक बेहतर विकल्प हो सकता है। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर से ऊपर रहने और परिवहन एवं बीमा लागत में भारी वृद्धि के कारण देश की वृहद आर्थिक बुनियाद पर असर पड़ रहा है। ऐसे में भुगतान

संतुलन की स्थिति को सुधारने के लिए उपाय करना आवश्यक है। रिपोर्ट कहती है, ''...यदि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 95 के स्तर पर है, तो अर्थव्यवस्था का आकार घटकर 4,040 अरब डॉलर हो जाएगा और 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने का सपना वित्त वर्ष 2029–30 में ही साकार हो पाएगा।'' एसबीआई रिसर्च के अनुसार, भले ही कभी–कभार ही सही रुपये में तेज गिरावट और अत्यधिक अस्थिरता निवेशकों के भरोसे को कम कर सकती है। रिपोर्ट में कहा गया, विदेशों में रह रहे भारतीयों के लिए बॉन्ड को पूंजी, रिटर्न, अवधि और परिपक्वता के साथ कर–अनुकूल व्यवहार के संदर्भ में उचित रूप से समायोजित किया जाना चाहिए। एसबीआई रिसर्च का यह सुझाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रविवार को पश्चिम एशिया संकट के कारण विदेशी मुद्रा बचाने, ईंधन का सूझबूझ के साथ उपयोग करने, सोने की खरीद स्थगित करने और एक वर्ष के लिए विदेश यात्रा टालने की आवश्यकता बताये जाने के बाद आया है।

क्या मुंबई इंडियंस और हार्दिक के बीच सब ठीक है? अनफालो विवाद से सोशल मीडिया पर मची खलबली

यह अटकलें तब शुरू हुईं जब 10 मई को रायपुर में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों डप की हार ने उन्हें आधिकारिक तौर पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। मैच के बाद कुछ समय के लिए, हार्दिक की प्देंजहततं प्रोफाइल पर कथित तौर पर 150 अकाउंट्स को फॉलो करते हुए दिखाया गया था। आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होते ही मैदान के बाहर भी ड्रामा शुरू हो गया है। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों मिली हार के बाद सोशल मीडिया पर यह खबर आग की तरह फैल गई कि कप्तान हार्दिक पांड्या ने इंस्टाग्राम पर अपनी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस को अनफॉलो कर दिया है। हालांकि, कुछ ही मिनटों में स्थिति बदल गई, लेकिन तब तक अटकलों का बाजार गर्म हो चुका था। यह हरकत सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई, और कई लोगों ने इसे मुंबई के मुश्किल भरे सीजन के बीच बढ़ रही अनबन की अफवाहों से जोड़ दिया।यह अटकलें तब शुरू हुईं जब 10 मई को रायपुर में रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु के हाथों डप की हार ने उन्हें आधिकारिक तौर पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर दिया। मैच के बाद कुछ समय के लिए, हार्दिक की प्देंजहततं प्रोफाइल पर कथित तौर पर 150 अकाउंट्स को फॉलो करते हुए दिखाया गया था, जिसमें मुंबई इंडियंस का नाम गायब था। लेकिन कुछ ही मिनटों बाद, फैंस ने देखा कि यह संख्या वापस 151 हो गई थी, और मुंबई इंडियंस एक बार फिर उन अकाउंट्स की सूची में दिखाई देने लगी जिन्हें पांड्या फॉलो करते हैं। सोशल मीडिया पर हुई यह छोटी सी हलचल अफवाहों को फैलाने के लिए काफी थी। इस स्थिति पर और भी ज्यादा ध्यान इसलिए गया क्योंकि प्स्- 2024 से पहले हार्दिक की मुंबई इंडियंस में वापसी और उन्हें कप्तान बनाए जाने के फैसले ने MI के फैंस के बीच पहले ही फूट डाल दी थी। तब से, फ्रेंचाइजी या कप्तान से जुड़े हर मुश्किल दौर की ऑनलाइन कड़ी जांच–पड़ताल की गई है। क्या हार्दिक पांड्या ने सच में डप को अनफॉलो किया था?तकनीकी तौर पर, कुछ समय के लिए, Instagram पर ऐसा ही दिखा था। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने स्क्रीनशॉट शेयर किए, जिनमें MI की RCB के हाथों हार के तुरंत बाद हार्दिक की 'फॉलोइंग' लिस्ट से मुंबई इंडियंस का नाम गायब दिख रहा था। हालाँकि, कुछ ही मिनटों के भीतर, डप का अकाउंट उनकी प्रोफाइल पर फिर से दिखाई देने लगा। इससे कई लोग यह सोचने लगे कि क्या यह गलती से हुआ ँअनफॉलो था, कोई तकनीकी गड़बड़ थी, या हार के बाद निराशा का एक सच्चा पल था।न तो हार्दिक पांड्या और न ही मुंबई इंडियंस ने इस स्थिति पर आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी की है। नतीजतन, यह पूरा मामला फिलहाल खिलाड़ी और फ्रेंचाइजी के बीच किसी पुष्ट अनबन के बजाय सोशल मीडिया पर चल रही अटकलों तक ही सीमित है। फिर भी, हार्दिक को कप्तान बनाए जाने के इतिहास और पिछले दो सीजन्स में मुंबई के संघर्षों को देखते हुए, इस घटना ने स्वाभाविक रूप से ऑनलाइन बहुत ज्यादा ध्यान खींचा है, और हार्दिक के बीच अनबन की अफवाहें क्यों बढ़ रही हैं? इसका एक बड़ा हिस्सा इस बात से जुड़ा है कि IPL 2026 हार्दिक और मुंबई इंडियंस, दोनों के लिए कितना मुश्किल रहा है। से हारने के बाद MI आधिकारिक तौर पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई, और उनका निराशाजनक सफर जारी रहा, जिसमें उन्हें कभी भी लगातार अच्छा प्रदर्शन देखने को नहीं मिला।आंकड़ों के हिसाब से हार्दिक के लिए भी यह सीजन काफी मुश्किल रहा। इस साल आठ मैचों में, इस ऑलराउंडर ने सिर्फ 146 रन बनाए और चार विकेट लिए। चोटों ने उनके सीजन को और भी ज्यादा प्रभावित कियाय

डप के कप्तान को पीठ की ऐंठन से जुड़ी फिटनेस समस्याओं के कारण कुल मिलाकर तीन मैच छोड़ने पड़े।वह लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुंबई का मैच नहीं खेल पाए, और फिर मेडिकल रूप से फिट घोषित न किए जाने के कारण त्ब् के खिलाफ भी उपलब्ध नहीं हो पाए। हार्दिक के बाहर होने पर, सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी संभालीय इसी हफ्ते की शुरुआत में उनकी बेटी का जन्म हुआ था। भुवनेश्वर के छक्के और क्रुणाल के अर्धशतक से RCB जीता, मुंबई इंडियंस प्लेऑफ से बाहर इस निराशाजनक सीजन के बावजूद, इस हफ्ते की शुरुआत में आई रिपोर्टों से पता चलता है कि मुंबई इंडियंस का मैनेजमेंट अभी भी हार्दिक की कप्तानी का समर्थन कर रहा है।

सनी हिंदुजा अभिनीत सर्वाइवल थ्रिलर वेब सीरीजविमल खन्ना का ट्रेलर आउट, 15 मई से अमेजन एमएक्स प्लेयर पर होगी स्ट्रीम

सनी हिंदुजा अभिनीत सर्वाइवल थ्रिलर वेब सीरीज विमल खन्ना का ट्रेलर मंगलवार को रिलीज कर दिया गया। यह सीरीज एक ऐसे अकाउंटेंट की कहानी है, जो अपने भाई की हत्या के झूठे आरोप के बाद अपनी पहचान बदलकर जीवित रहने के लिए संघर्ष करता है। ट्रेलर एक जबरदस्त सर्वाइकल थ्रिलर पर आधारित है, जिसमें विमल खन्ना लगातार भागता नजर आता है। कहानी में वह धोखे, फरेब और जान बचाने के एक खतरनाक जाल में धीरे–धीरे फंसता चला जाता है। कहानी जैसे–जैसे आगे बढ़ती है, कई राज खुलते हैं और छिपे हुए इरादे सामने आने लगते हैं। ऐसे में एक सवाल बार–बार उठता है, क्या विमल खन्ना बच पाएगा या नहीं? क्या उसे इस मुश्किल से निकलने का कोई रास्ता मिलेगा या वह और भी फंसता जाएगा? इसकी कहानी एक ऐसी दुनिया दिखाती है, जहां शक, धोखा, बदलती वफादारियां और किसी भी कीमत पर बचने की कोशिश हर तरफ फैली हुई हैं।अभिनेता सनी हिंदुजा ने फिल्म और अपने किरदार को लेकर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया, अमेजन एमएक्स प्लेयर के साथ विमल खन्ना पर काम करना मेरे लिए शानदार अनुभवों में से एक रहा। विमल कोई आम हीरो नहीं है, बल्कि वह साधारण इंसान है, जिसे असाधारण परिस्थितियों में धकेल दिया जाता है, जहां जिंदा रहना ही उसकी फितरत बन जाती है। जिस बात ने मुझे इस किरदार की ओर खींचा, वह है उसका अंदरूनी संघर्ष, अपनी पहचान बनाए रखने और उस सिस्टम के हिसाब से ढलने के बीच लगातार चलने वाली जद्दोजहद, जो उसके खिलाफ काम कर रहा है। एक कहावत है, ये अलग मिट्टी का बना है, जो विमल और उसकी यात्रा पर एकदम सटीक बैठती है, और यही बात उसे एक ही समय पर कमजोर और ताकतवर दोनों बनाती है।मशहूर लेखक सुरेंद्र मोहन पाठक ने सीरीज को लेकर कहा, विमल खन्ना एक ऐसा किरदार है, जिससे पाठक वर्षों से जुड़ाव महसूस करते आए हैं और उसकी यात्रा हमेशा एक ऐसी

दुनिया में रास्ता बनाने के बारे में रही है, जो लगातार उसकी पहचान और अस्तित्व को चुनौती देती रहती है। इस कहानी को पर्दे पर साकार होते देखना मेरे लिए रोमांचक और सार्थक दोनों ही है। सीरीज को लेकर मैं बहुत उत्साहित हूं।

फिल्म हीर सारा और पुडुचेरी का ट्रेलर जारी, पत्रलेखा और मानवी गागरू आई साथ

राजकुमार राव की पत्नी पत्रलेखा को आखिरी बार उनकी फिल्म टोस्टर में देखा गया था। अप्रैल, 2026 में रिलीज इस फिल्म में अभिनेत्री कुछ मिनट का कैमियो किया था, जिसने खूब चर्चा बटोरी। अब पत्रलेखा अपनी नई फिल्म हीर सारा और पुडुचेरी के जरिए दर्शकों के बीच लौट रही हैं। इसमें उनके साथ मानवी गागरू भी मुख्य किरदार में हैं। कार्तिक चौधरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म का ट्रेलर और रिलीज तारीख जारी कर दी गई है। हीर सारा और पुडुचेरी के नाम से पता चलता है कि फिल्म एक रोमांचक सफर पर आधारित होगी। ट्रेलर में दिखाया गया है कि 2 अलग–अलग ख्यालातों वाली लड़कियां सोलो ट्रिप के लिए पुडुचेरी निकल पड़ती हैं। उनकी जिंदगी की उलझनें भी ट्रेलर में दिखती हैं। फिल्म दोस्ती, उपचार और आत्म–खोज की कहानी बयां करती है। एक ओर जहां वो ट्रिप पर एंजॉय करती हैं और नई–नई चीजों को एक्सप्लोर करती हैं। वहीं दूसरी ओर उनकी पर्सनल लाइफ में अपनी अलग–अलग परेशानियां हैं, जिनकी भी झलक ट्रेलर में देखने को मिलती है।कार्तिक चौधरी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पत्रलेखा और मानवी के अलावा श्वेता साल्वे, आरिफ जकारिया, निशांक नूर और बंटी चोपड़ा भी अहम किरदारों में नजर आए हैं। श्हीर सारा और पुदुचेरीश भी 29 मई को ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी। श्वेता साल्वे, आरिफ जकारिया, निशांक नूर और बंटी चोपड़ा भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

राजा शिवाजी की दूसरे मंगलवार बढ़ी कमाई, 2 करोड़ कमाते ही पूरी लागत वसूल कर लेगी फिल्म

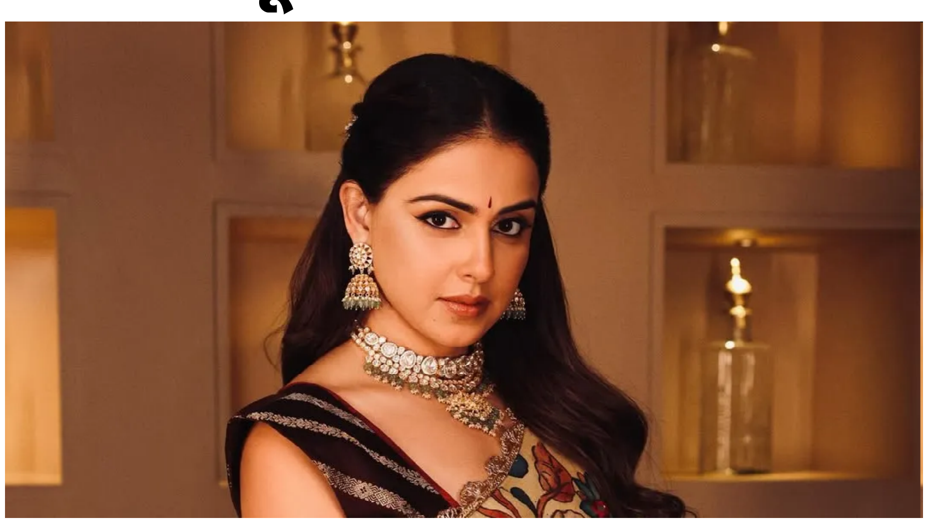

ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म राजा शिवाजी ने सिनेमाघरों में शानदार शुरुआत की और खूब सुर्खियां बटोरी है. इस फिल्म में रितेश देशमुख ने लीड रोल निभाने के साथ–साथ इसका निर्देशन भी किया है. फिल्म को दर्शकों से खूब प्यार मिल रहा है और इसी के साथ ये दूसरे हफ्ते में भी अच्छा परफॉर्म कर रही है. चलिए यहां जानते हैं राजा शिवाजी ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को कितना कलेक्शन किया है?

राजा शिवाजी फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की जिंदगी पर बेस्ड है. फिल्म में रितेश के अलावा संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, जेनेलिया डिसूजा, सचिन खेड़कर, फरदीन खान और बोमन ईरानी जैसे कई दमदार कलाकारों ने अभिनय किया है. वहीं सलमान खान ने भी राजा शिवाजी में कैमियो किया है. इस फिल्म का रिलीज से पहले ही काफी बज क्रिएट हो गया था और सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया जिसके चलते इसने शानदार शुरुआत की और फिर इसने रिलीज के दूसरे वीकेंड तक धुआंधार नोट छापे. अब दूसरे हफ्ते के वीकडेज में इसके कलेक्शन में मंदी जरूर देखी जा रही है फिर भी ये करोड़ों में कमाई कर रही है और अपना बजट वसूलने से भी ये इंचभर दूर है.फिल्म की कमाई की बात करें तो पहले हफ्ते में 52.65 करोड़ कमाने के बाद 8वें दिन इसने 3.20 करोड़ कमाए.वहीं 9वें दिन इसका कलेक्शन 5.60 करोड़, 10वें दिन 6.80 करोड़ और 11वें दिन 2.40 करोड़ रुपये रहा.अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक राजा शिवाजी ने रिलीज के 12वें दिन यानी दूसरे मंगलवार को 2.50 करोड़ कमाए हैं.इसी के साथ राजा शिवाजी की 12 दिनों की कुल कमाई अब 73. 15 करोड़ रुपये हो गई है. राजा शिवाजी को 75 करोड़ के बजट में बनाया गया है. इस फिल्म ने रिलीज के 12 दिनों में भारत में 73.15 करोड़ की कमाई कर ली है. ऐसे में ये फिल्म अपनी लागत वसूलने से महज 2 करोड़ रुपये दूर है. उम्मीद है कि राजा शिवाजी दूसरे बुधवार को ये आंकड़ा पार कर लेगी और अपनी लागत वूसल बॉक्स ऑफिस पर सक्सेस भी हासिल कर लेगी. इसके बाद ये फिल्म मुनाफा कमाना शुरू करेगी.

जेनेलिया और ज्योति देशपांडे द्वारा प्रोड्यूस, मुंबई फिल्म कंपनी और जियो स्टूडियोज के बैनर तले बनी राजा शिवाजी का म्यूजिक अजय–अतुल ने तैयार किया है.

विद्या-राशि संग बाक्स आफिस पर धमाल मचाने आ रहे अक्षय कुमार, अनीज बज्मी की कामेडी फिल्म की रिलीज डेट

अक्षय कुमार और विद्या बालन अपनी चौथी फिल्म के साथ सिनेमाघरों में धमाल मचाने वाले हैं. बीते कुछ हफ्तों पहले ही इस जोड़ी ने नए अंदाज में अपनी आगामी प्रोजेक्ट का एलान किया था और फैंस को बताया कि वे नए प्रोजेक्ट के लिए एक साथ आ रहे हैं. इससे पहले वे भूल भुलैया (2007), हे बेबी (2007), और मिशन मंगल (2019) जैसी हिट फिल्मों में एक साथ नजर आ चुके हैं. अब अनीस बज्मी की निर्देशित और दिल राजू द्वारा निर्मित एक नई कॉमेडी–ड्रामा फिल्म के लिए फिर से साथ आने को तैयार हैं. आज, मेकर्स ने इस अनटाइटल्ड फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा हटाया है.श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स ने अपने ऑफिशियल एक्स (पूर्व में ट्विटर) हैंडल पर अपनी इस अनटाइटल्ड फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया और यह कहकर दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी कि और भी अपडेट जल्द ही आएंगे.श्री वेंकटेश्वर क्रिएशन्स ने अनाउंसमेंट करते हुए कहा कि अनीस बज्मी की निर्देशित अक्षय कुमार और विद्या बालन की आगामी कॉमेडी फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी. कुछ दिन पहले, अक्षय कुमार ने इंस्टाग्राम पर अपनी, विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ एक तस्वीर शेयर की. इस तस्वीर में तीनों ही मुस्कुराते हुए कैमरे के लिए पोज देते हुए नजर आ रहे थे. इस पोस्ट के जरिए खिलाड़ी कुमार ने फिल्म के बारे में अपडेट देते हुए कहा कि उन्होंने केरल में अपने शूट का शेड्यूल पूरा कर लिया है. कैप्शन में उन्होंने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि किसी खूबसूरत जगह पर बेहतरीन लोगों के साथ काम करने से बेहतर और कुछ नहीं हो सकता. एक्टर ने अपने इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, केरल का शेड्यूल पूरा हुआ. किसी खूबसूरत जगह पर अच्छे लोगों के साथ काम करने का मजा ही कुछ और है. हमारे डायरेक्टर अनीस बज्मी को कैमरे के पीछे की सारी मस्ती के लिए, और मेरे जबरदस्त को–स्टार्स विद्या, राशि, छोटे राजपाल और पूरी टीम को ढेर सारा प्यार. यह वाला अनुभव बहुत खास रहा. अक्षय कुमार पिछली बार भूत बंगला में नजर आए थे, जो अभी भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है. विद्या बालन ने रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी में एक अहम भूमिका निभाई है,

कान 2026 में छाई आलिया भट्ट, पहले डिज्नी प्रिंसेस बन छाई

आलिया भट्ट अब कान फिल्म फेस्टिवल में रंग जमाने पहुंच चुकी हैं। अभिनेत्री ने ओपनिंग सेरेमनी में लॉरियल पेरिस की एंबेसडर के रूप में रेड कार्पेट पर जलवा बिखेरा। पहले तो उन्होंने अपने बार्बी लुक से फैंस को घायल किया और अब अपने दूसरे लुक की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जिसमें वह पीच कलर का बॉडी–हगिंग गाउन पहने नजर आ रही हैं और यह लुक उन पर बेहद जंच रहा था।

रिया कपूर द्वारा स्टाइल किए गए तमारा राल्फ के कस्टम मेड गाउन में आलिया बेहद स्टाइलिश और फैशनेबल लग रही थीं। कान्स में पहले लुक से डिज्नी प्रिंसेस जैसी वाइब बिखेरने के बाद, आलिया ने अपने दूसरे लुक से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। जिस पर रिएक्ट करते हुए कई सोशल मीडिया यूजर एक्ट्रेस की तारीफ करते भी दिखे।

इस साल रेड कार्पेट पर आलिया ने पीच कलर का बॉडी–हगिंग गाउन पहना था, जिसमें सेंटर में डीप इल्यूजन डिटेल के साथ स्वीटहार्ट नेकलाइन था। गाउन का सिल्हूट स्लीक, स्ट्रक्चर्ड और एलिगेंट था, जो आलिया के पूरे लुक में चार चांद लगा रहा था।ड्रेस में लटकते शिफॉन के ड्रेप्स ने इस ड्रेस को और भी खूबसूरत बना दिया, जो आलिया के लुक में ग्रेस को एड कर रहा था। पीच के पेस्टल शेड ने पूरे लुक को फ्रेश और सोफिस्टिकेटेड बनाए रखा। यह एक ऐसी ड्रेस थी जिसमें जिसे परफेक्ट कट्स और ड्रेपिंग टेक्निक्स के साथ तैयार किया गया था।ज्वेलरी की बात करें तो आलिया भट्ट ने अपने दूसरे कान 2026 के रेड कार्पेट लुक को एक खूबसूरत स्टेटमेंट नेकलेस के साथ पूरा किया, जिसमें चमकीले हीरों के साथ पीच कलर के रत्न जड़े हुए थे। ये नेकलेस आलिया के तमारा राल्फ कॉउचर गाउन के साथ मैच कर रहा था, जिससे पूरे लुक में विंटेज ग्लैमर जुड़ गया।वहीं मेकअप की बात करें तो ड्रेस को ध्यान में रखते हुए उन्होंने खूबसूरत न्यूड पिंक लिपस्टिक के साथ ग्लोइंग मेकअप किया था साथ ही आंखों को हल्के से डिफाइन किया और पिंक ब्लश का इस्तेमाल किया। वहीं आलिया ने अपने बालों को ब्लो–ड्राई करके बीच से मांग निकालकर भरपूर वॉल्यूम दिया, जो काफी खूबसूरत लग रहा था।

भूत बंगला ने 26वें दिन की धमाकेदार कमाई, 161 करोड़ पहुंचा बाक्स आफिस कलेक्शन

अक्षय कुमार की भूत बंगला बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है. फिल्म ने 160 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. फिल्म को पहले दिन से ही शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. आइए जानते हैं फिल्म ने 26वें दिन कितनी कमाई की है.सैकनिल्क के मुताबिक, भूत बंगला ने चौथे मंगलवार को 1.60 करोड़ कमाए हैं. फिल्म को 4 हजार शोज मिले हैं. वहीं फिल्म को 16 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म का टोटल कलेक्शन 161.70 करोड़ कमा लिए हैं.फिल्म ने पेड प्रिव्यू में 3.75 करोड़ कमाए. फिल्म ने पहले दिन 12.25 करोड़ कमाए. दूसरे दिन 19 करोड़, तीसरे दिन 23 करोड़, चौथे दिन 6.75 करोड़, पांचवें दिन 8 करोड़, छठे दिन 6. 15 करोड़, सातवें दिन 5.50 करोड़ कमाए.फिल्म ने पहले हफ्ते में 84.40 करोड़ का बिजनेस किया.वहीं फिल्म ने आठवें दिन 5.75 करोड़, नौवें दिन 10.75 करोड़, दसवें दिन 12.50 करोड़, 11वें दिन 3.5 करोड़, 12वें दिन 4.3 करोड़, 13वें दिन 3.4 करोड़ और 14वें दिन 3.5 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म ने दूसरे हफ्ते में 43.75 करोड़ कमाए. तीसरे हफ्ते में फिल्म ने 21.85 करोड़ का कलेक्शन किया.फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में हैं. वहीं प्रियदर्शन ने फिल्म को डायरेक्ट किया है. अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी फैंस को खूब एंटरटेन करती है. उन्होंने साथ में हेरा फेरी, गरम मसाला, भागम भाग जैसी फिल्में की हैं. सभी फिल्मों को बहुत प्यार मिला. वहीं भूत बंगला की बात करें तो इस फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा परेश रावल और राजपाल यादव जैसे स्टार्स नजर आए हैं. वहीं फिल्म में तबु, वामिका गब्बी और मिथिला पालकर भी अहम रोल में हैं. फिल्म में वामिका गब्बी अक्षय कुमार के अपोजिट रोल में हैं. वहीं मिथिला पालकर उनकी बहन के रोल में नजर आई थीं.

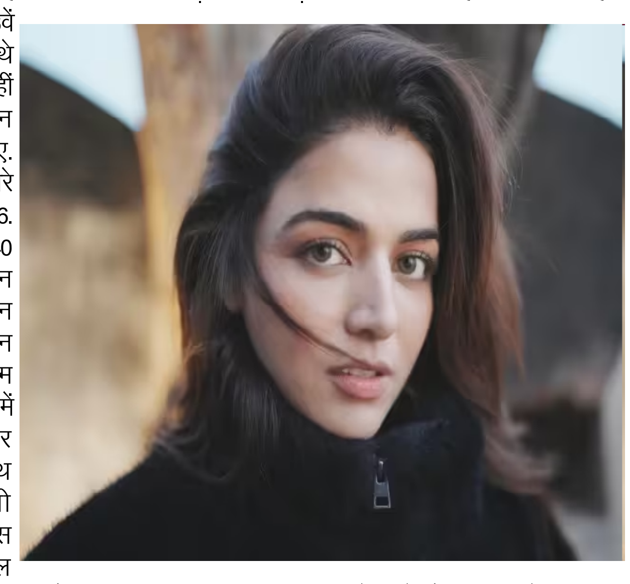

शोर से दूर रहकर ही कलाकार बेहतर काम कर सकते हैं, सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर रकुल प्रीत सिंह का बयान

आज के समय में सोशल मीडिया कलाकारों के लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म बन गया है जहां लोकप्रियता भी मिलती है और आलोचना भी। एक तरफ जहां फैंस अपने पसंदीदा सितारों से जुड़ पाते हैं, वहीं दूसरी तरफ ऑनलाइन ट्रोलिंग भी तेजी से बढ़ रही हैं। इसी मुद्दे पर अब अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह ने अपनी बेबाक राय रखी। इस दौरान उन्होंने सोशल मीडिया के प्रभाव और उससे दूरी बनाए रखने की जरूरत पर जोर दिया। रकुल प्रीत सिंह ने कहा, एक कलाकार के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह सोशल मीडिया पर चल रहे शोर और लगातार आने वाली प्रतिक्रियाओं से खुद को अलग रखना सीखे। अगर कोई कलाकार इंटरनेट पर लिखी हर बात को दिल से लगाने लगे, तो उसका असर उसके काम और मानसिक स्थिति दोनों पर पड़ सकता है। ऐसे में जरूरी है कि उनको अपनी ऊर्जा अपने काम पर लगानी चाहिए। रकुल ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब सोशल मीडिया इतना व्यापक नहीं था। उस समय कलाकारों को आज की तरह तुरंत प्रतिक्रिया नहीं मिलती थी, जिससे मानसिक दबाव भी कम रहता था।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।